तापमान
अधिकतम 32 .5 डिग्री
न्यूनतम 15 .6 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 2 नवंबर, 2025

12 कलाकारों ने हरियाणवी संस्कृति की तस्वीर पेश की

12 सीक्रेट सुपरस्टार शो में 400 छात्रों ने दिखाया हुनर

खबर संक्षेप

बाइक की टक्कर से महिला की मौत

पानीपत। गांव पसीना वाली रोड पर बाइक की टक्कर लगने से शहनाज पत्नी हंसीबुल मूल निवासी पश्चिम बंगाला हाल निवासी गांव सिवाह क्षेत्र की मौत हो गई। हुडा औद्योगिक सेक्टर 29 थाना पुलिस ने जांच के बाद शहनाज के शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए पानीपत के सिविल अस्पताल भिजवा कर इस मामले की जांच शुरू कर दी है। इधर, थानेदार अनिल ने बताया कि शहनाज की मौत हादसे में हुई है, पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

अंबाला छावनी में दो दिन चलेगी भर्ती प्रक्रिया

अंबाला। 13 और 14 नवंबर 2025 को अंबाला छावनी के खड्गा स्पोर्ट्स स्टेडियम में अग्निवीर महिला सेना पुलिस भर्ती प्रक्रिया का दूसरा चरण (फिजिकल एवं मेडिकल) का आयोजन किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि इस भर्ती प्रक्रिया में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की वे महिला अभ्यार्थी भाग ले सकती हैं जो कि प्रथम चरण के कंप्यूटर आधारित ऑनलाइन कॉमन परीक्षा में शॉर्ट लिस्ट हुए हैं। अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड 31 अक्तूबर 2025 को जारी कर दिए गए हैं।

कार से बरामद हुई 3.750 किलो अफीम

यमुनानगर। एचएसएनसीबी यूनिट अंबाला की टीम ने गांव औरंगाबाद के पास हाइवे रेस्ट एरिया से एक कार की तलाशी के दौरान 3.750 किलो अफीम बरादम हुई है। पुलिस ने नशीले पदार्थ को कब्जे में लेकर मौके से आरोपी कार चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी गांव भंभोली निवासी प्रदीप कुमार को अदालत में पेश किया। जहां से उसे रिमांड पर लिया गया है। आरोपी पड़ोसी राज्यों से अफीम लाकर आसपास सप्लाई करता था।

सीएम सैनी करेंगे खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

अंबाला। कार्यकारी जिला खेल अधिकारी रामस्वरूप ने बताया कि खेल विभाग, हरियाणा पंचकूला द्वारा राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन 11 से 13 नवंबर तक जिला अंबाला तथा पंचकूला में करवाया जा रहा है। प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा किया जाएगा।

पेंशनर्स को देना होगा जीवन प्रमाण-पत्र

अंबाला। जिला खजाना अधिकारी सुनीता गोस्वामी ने बताया कि राज्य सरकार की हिदायतों के अनुसार जिले के खजाना और उप खजाना कार्यालय के माध्यम से पेंशन प्राप्त कर रहे पेंशनरों को जीवन प्रमाण पत्र माह नवंबर में देना होगा।

मेला परिसर में आयोजित प्रदर्शनी का किया अवलोकन

ऐतिहासिक कपालमोचन मेले का शुभारंभ पहले दिन हजारों श्रद्धालुओं ने किया स्नान

अंबाला मंडल आयुक्त संजीव वर्मा ने हवन-यज्ञ व दीप प्रज्ज्वलित करके किया मेले का शुभारंभ, पांच दिन तक जुटेंगे विभिन्न प्रदेशों के लाखों श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

उत्तर भारत के सिंधुवन में स्थित धार्मिक एवं ऐतिहासिक तीर्थ स्थल कपाल मोचन में पांच दिवसीय अंतरराज्यीय मेला 2025 का शनिवार को विधिवत शुभारम्भ हो गया। मेले का शुभारंभ अंबाला मंडल के आयुक्त संजीव वर्मा ने दीप प्रज्जवलित करके व हवन यज्ञ में आहुतियां अर्पित कर किया।

मौके पर उपायुक्त एवं कपाल मोचन श्राईन बोर्ड के मुख्य प्रशासक पार्थ गुप्ता मौजूद रहे। इस दौरान मंडल आयुक्त संजीव वर्मा ने हरियाणा की विकासात्मक गतिविधियों पर आधारित विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। जिसमें करीब विभिन्न विभागों व अन्य संस्थाओं द्वारा स्टाल लगाए गए हैं। मेला कपाल मोचन के उदघाटन अवसर पर विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

■ कपाल मोचन मेला अपने आप में अनूठा एवं बेमिसाल : संजीव वर्मा

अंबाला मंडल के आयुक्त संजीव वर्मा ने कहा कि हरियाणा वह भूमि है जहां भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन के रथ को हांका था और इसी भूमि पर श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का अमर संदेश दिया था। हरियाणा के इसी एक छोर पर व्यासपुर पड़ता है। जहां कपाल मोचन की पवित्र भूमि स्थित है। जिसे भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, गुरू नानक देव और गुरू गोबिंद सिंह जैसे देवताओं ने पवित्र किया है। कपाल मोचन मेला अपने आप में अनूठा एवं बेमिसाल है। अम्बाला मंडल के आयुक्त संजीव वर्मा ने कहा कि तीज त्यौहार व मेले भारतीय संस्कृति व जीवन का एक महत्वपूर्ण भाग है, जिनके माध्यम से भारत वर्ष के पुरातन रिति रिवाजए परम्पराएंए लोक कथाएं एवं जन श्रुतियां बड़े गहरे से जुड़ी हैं। भारत की भूमि ऋषि,मुनियों, पीर पैगम्बरों, शूरवीर योद्धाओं और गुरुओं की भूमि है। यहां की धरती को ऋषि मुनियों ने अपने तपो बल से पावन किया है। इस भूमि का एक हिस्सा जिसका नामकरण हरि के नाम पर हुआ है । उसे हरियाणा कहा जाता है और हरियाणा में व्यासपुर की धरती को महर्षि व्यास की कर्म स्थली कहा जाता है। उन्होंने विश्व प्रसिद्ध कपाल मोचन मेला के यात्रियों को अपनी ओर से शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस कामना के लिए वे मेला कपाल मोचन में आए हैं। उनकी कामना अवश्य पूरी हो।

यमुनानगर। कपालमोचन तीर्थ स्थल मेले में हवन यज्ञ करके शुभारंभ करते हुए अंबाला मंडल के आयुक्त संजीव वर्मा।

यमुनानगर। कपालमोचन तीर्थ स्थल मेले के शुभारंभ अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करते बच्चे।

सरोवरों में स्नान करने में गहरी आस्था

अंबाला मंडल के आयुक्त संजीव वर्मा ने कहा कि कपाल मोचन मेला क्षेत्र में स्थित तीन सरोवरों कपाल मोचन सरोवर,ऋण मोचन सरोवर व सूरजकुंड सरोवर में श्रद्धालुओं की स्नान करने के प्रति गहरी आस्था है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र तीर्थराज पर श्री गुरु नानक देव व श्री गुरु गोविंद सिंह जी यहां पधारे थे। उन्होंने कपाल मोचन मेला से संबन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि गुरूपर्व एवं कार्तिक पूर्णिमा को तीनों सरोवरों में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ जाती है। इस दौरान कोई दुर्घटना न हो इसके लिए सभी प्रबंध एवं व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की ढील न बरती जाए व मेला प्रबंधो से जुड़े सभी अधिकारी पूरी तरह सतर्क रहे ताकि श्रृद्धालु एवं यात्री खुशी खुशी स्नान करके यहां से विदा हों।

खाना बनाने के लिए एलपीजी गैस की सुविधा

उपायुक्त एवं मेला कपाल मोचन के मुख्य प्रशासक पार्थ गुप्ता ने कहा कि 1 नवंबर से 5 नवंबर तक मेला में लाखों की संख्या में यात्री पहुंचकर पवित्र सरोवरों में स्नान करेंगे। उन्होंने कहा कि पूरे मेला क्षेत्र में अस्थाई शौचालयों की संख्या 500 कर दी गई है। इसके अलावा लगभग 200 स्थाई शौचालय बनाए गए हैं। इसलिए कोई भी यात्री खुले में शौच न करें। उन्होंने कहा कि यात्रियों को खाना बनाने के लिए एलपीजी गैस उपलब्ध करवाई जाएगी। सभी यात्री अपने सामान का ध्यान रखें। यात्रियों की सुरक्षा के लिए उचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र में यात्रियों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए स्वास्थ्य पोस्टें बनाई गई हैं। जिनके माध्यम से यात्रियों को निःशुल्क दवाईयां प्रदान की जाएंगी। उन्होंने बताया कि सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा सूचना प्रसारण केन्द्र स्थापित किया गया है जो 24 घंटे सूचनाएं प्रसारित करेगा। मौके पर मेला प्रशासन ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मौके पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया।

महिला को रेप-हत्या की धमकी दे गहने ले गए

पानीपत। हुडा औद्योगिक सेक्टर-29 थाना के तहत आने वाले न्यू विकास नगर में शुक्रवार की रात दुर्गावती के घर में चार नकाबपोश चोर घुसे और उन्होंने गहने व नगदी की चोरी के लिए अलमारी का ताला तोड़ा। दुर्गावती ने बताया कि घर में तोडफोड की आवास सुन कर वे व उनके ही साथ सो रही पडोसी महिला रीता देवी जाग गई। वहीं, दोनों ने शोर मचाने का प्रयास किया तो चोरों ने उन्हें चाकू दिखा कर हत्या व दुष्कर्म करने की धमकी दी। चोर घर से सोनी व चांदी से बने जेवर एक मंगलसूत्र, तीन अंगूठी, एक जोड़ी बाली, एक चेन, पाजेब, हाथ के कड़े और करीब 30 हजार रुपए नकद लेकर फरार हो गए।

नवविवाहिता से दुष्कर्म के दोषी तांत्रिक को जेल भेजा

■ झाड़-फूंक करने के बहाने से तांत्रिक ने की वारदात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुलाना

झाड़फूंक कराने आई नवविवाहिता से दुष्कर्म करने के आरोप में पकड़े गए तांत्रिक रोहताश को अदालत ने जेल भेज दिया है।

गांव की पीड़िता ने शिकायत दी थी कि एमएम यूनिवर्सिटी रोड पर यमुनानगर के हिरणछप्पर गांव के रोहताश ने एक घर किराये पर ले रखा है। यहां पर वह मंगलवार को चौकी लगाकर झाड़फूंक करता है। बीते मंगलवार को वह अपने पति और सास के साथ तांत्रिक के पास गई थी। तांत्रिक के साथियों ने उसके पति को कमरे के बाहर ही रोक लिया और अकेले विवाहिता को कमरे में झाड़फूंक कराने के लिए भेज दिया। तांत्रिक ने मौके का फायदा उठाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद नवविवाहिता ने अपने पति को इस बारे में बताया तो वह उसे लेकर थाने पहुंचे। पुलिस ने नवविवाहिता की सीएचसी मुलाना में डॉक्टरी जांच करवाई और आरोपी रोहताश को काबू किया गया।

ठेका पर गोली चलाने का आरोपी गिरफ्तार

लाडवा। कुरुक्षेत्र पुलिस की टीम ने लाडवा शराब ठेका पर गोली चलाने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। अपराध अन्वेषण शाखा-1 की टीम ने लाडवा शराब ठेका पर गोली चलाने के आरोपी अमन वासी जैनपुर जाटान जिला कुरुक्षेत्र को माननीय अदालत से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर मामले में गिरफ्तार किया है।

14 सितंबर की रात्रि को लाडवा के बस स्टैंड के सामने ठेका पर गोली चलाने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस ने जिलाभर मे नाकेबन्दी करके जांच की गई थी। 19 सितम्बर पुलिस टीम को गांव सोंटी में एक नर्सरी के पास एक नौजवान लड़का बिना नंबर की मोटरसाइकिल खड़ा दिखाई दिया। पुलिस टीम ने जब आरोपी को रुकने बारे कहा तो आरोपी ने पुलिस टीम पर दो रौंन्द फायर किए। पुलिस टीम ने अपना बचाव करते जवाबी फायर किया जो गोली आरोपी की टांग में लगी थी। घायल आरोपी को एलएनजेपी हस्पताल कुरूक्षेत्र में दाखिल करवाया गया था। आरोपी की पहचान अमन वासी जैनपुर जाटान के रुप में हुई थी।

पहली बार अंबाला छावनी में होगा उत्तर क्षेत्रीय युवा महोत्सव

अंबाला। संस्कृत भाषा, साहित्य, संस्कृति और खेलों के संगम का प्रतीक बनकर उत्तर क्षेत्रीय युवा महोत्सव 2025 पहली बार अंबाला छावनी में आयोजित होने जा रहा है। यह तीन दिवसीय आयोजन केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के देखरेख में श्री दीवान कृष्णकिशोर सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय में 3 से 5 नवंबर 2025 तक होगा। इस महोत्सव का उद्देश्य उत्तर भारत के संस्कृत विद्यार्थियों की प्रतिभा को एक साझा मंच प्रदान करना है, ताकि वे परंपरा और आधुनिकता दोनों के संगम से संस्कृत के नवजागरण में अपनी भूमिका निभा सकें। आयोजन में हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और जम्मू-कश्मीर से लगभग 500 छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विष्णु दत्त शर्मा ने बताया कि युवा महोत्सव का उद्घाटन 3 नवंबर की सुबह 10:30 बजे सनातन धर्म सभागार में किया जाएगा। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. मदन मोहन झा, चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के पूर्व कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा और दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. रंजन त्रिपाठी उपस्थित रहेंगे।

प्रत्येक अतिथि का साक्षात्कार

मीडिया संस्थान के छात्रों के लिए कार्यशाला बना रत्नावली महोत्सव

कुरुक्षेत्र। राज्य स्तरीय रत्नावली समारोह इस बार जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के छात्रों के लिए एक कार्यशाला के रूप में अच्छा मंच साबित हुआ। संस्थान की मीडिया चौपाल व हरियाणवी न्यूज लैटर रत्नावली समारोह में सबसे अधिक आकर्षण का केन्द्र रहे। समारोह में आने वाले प्रत्येक अतिथि का मीडिया चौपाल में साक्षात्कार लिया गया और सभी ने खुले मन से अपने मन के विचार हरियाणवी में सांझा किए। इसके साथ-साथ सबने हरियाणवी में छपे न्यूज लैटर को खूब पढ़ा। संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया द्वारा पहली बार रत्नावली समारोह में शुरू की गई मीडिया चौपाल व हरियाणवी न्यूज लैटर की सबने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। मीडिया चौपाल का संचालन प्रो. महासिंह पूनिया ने किया जबकि उनका सहयोग डॉ. आबिद अली, डॉ. सतीश राणा, तकनीकी सहायक नरेश कुमार ने दिया। जबकि हरियाणवी न्यूज लैटर जो सबके आकर्षण का केन्द्र बना हुआ था। समारोह में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति ने हरियाणवी न्यूज लैटर को पढ़ा। न्यूज लैटर को तैयार कराने का कार्य प्रो. महासिंह पूनिया, डॉ. अभिनव कटारिया, डॉ. आबिद अली, डॉ. प्रदीप कुमार राय, डॉ. तपेश किरण, राहुल अरोड़ा, अमित जांगड़ा ने अपना योगदान दिया। संस्थान के शिक्षक डॉ. तपेश किरण, रोमा, ऋतु, मोनिका, राकेश ने हस्तशिल्प मेले में छात्रों के सहयोग से स्टाल लगाए।

■ हरियाणवी न्यूज लैटर आकर्षण का केन्द्र रहे

राज्यपाल आशिम घोष ने सतगुरु मां व राजपिता से आशीर्वाद लिया

श्रद्धालुओं में प्रेमपूर्ण मिलन से आत्ममंथन का भाव गूंजा

■ निरंकारी संत समागम में मां सुदीक्षा ने कहा, ब्रह्मबोध से ही आत्मबोध संभव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ समालखा

हमें अपने वास्तविक स्वरूप की पहचान करने के लिए परम अस्तित्व परमात्मा को जानना जरूरी है क्योंकि ब्रह्मबोध से ही आत्मबोध सम्भव है। यह उद्गार मां सुदीक्षा ने निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर आयोजित चार दिवसीय निरंकारी संत समागम में देश व विदेश से आए हुए लाखों के श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। वहीं, कार्यक्रम में देश व विदेश से आए, श्रद्धालुओं में प्रेमपूर्ण मिलन से आत्ममंथन का भाव गूंज उठा।

इधर, मां सुदीक्षा ने कहा कि संसार में विभिन्न धर्म हैं और हर किसी की अपनी अपनी आस्था है, पर हर कोई एक ही सत्य की बात कर रहा है। वास्तव में यह एक निराकार परमात्मा ही है जो सदैव रहने वाला सत्य है। यही सबका मूल स्रोत है। जब हम इस स्रोत के साथ जुड़कर एकत्व के भाव में समाहित हो जाते हैं तो फिर कोई विपरीत भाव मन में उत्पन्न नहीं होता। उन्होंने कहा कि समागम का मुख्य विषय 'आत्ममंथन' भी इसी ओर अग्रसर करता है कि इस एक सत्य का आधार लेकर आत्ममंथन करते हुए हम अपने भीतर की यात्रा तय करते चले जाना है। वहीं, भौतिक उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए मां सुदीक्षा ने कहा कि जिन सांसारिक उपलब्धियों के लिए मनुष्य अपना अमूल्य समय व्यतीत कर रहा है वह समाजिक उपलब्धियां, पारिवारिक रिश्ते यहां तक कि मन के विचार आदि सब अस्थाई हैं और वे भी समय के साथ बदलने और अंत में समाप्त होने वाले हैं।

मां सुदीक्षा ने स्पष्ट करते हुए बताया कि स्थायी केवल परमात्मा है। यह परमात्मा जितना बाहर है उतना भीतर भी है। जब इस स्थायी परमात्मा की उपलब्धि होगी तभी मनुष्य जीवन का परम उद्देश्य पूर्ण होगा। मां सुदीक्षा ने उदाहरण देकर समझाया कि जिस तरह हम कमरे के अंधेरे को दूर करने के लिए स्विच ऑन करते हैं और उजाले का इंतजार नहीं करना पड़ता उसी प्रकार से अज्ञानता के अंधेरे में जी रहे मनुष्य के जीवन में जब ब्रह्मज्ञान प्रवेश करता है तो ज्ञानरूपी प्रकाश से तुरंत आलोकित हो जाता है। मां सुदीक्षा ने समझाया कि आत्ममंथन अथवा भीतर की यात्रा मनोवैज्ञानिक नहीं बल्कि आध्यात्मिक विषय है। हर समय निरंकार परमात्मा का अहसास रखते हुए अपनी गलतियों को स्वीकार एवं उनका सुधार करना होगा। जिससे समर्पण, विनम्रता जैसे दिव्य मानवीय गुण जीवन में सहज ही उतरते चले जाएंगे।

समालखा। निरंकारी संत समागम में देश व विदेश से आए श्रद्धालु सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करते हुए।

सत्संग में शिरकत की

हरियाणा के राज्यपाल आशिम घोष ने अपनी अर्धांगिनी के साथ समागम में पधारकर सतगुरु माता व निरंकारी राजपिता के आशीर्वाद लेते हुए अपने संबोधन में संत निरंकारी मिशन की दिव्य विचारधारा एवं मानवता के प्रति निष्काम सेवाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर राज्यपाल घोष ने मंच के करीब उपस्थित सेवादल के सदस्यों से वार्तालाप किया और निरंकारी सेवादल की मर्यादा और अनुशासन की सराहना की। वहीं, समागम के दूसरे दिन का शुभारंभ सेवादल रैली से हुआ। इस आकर्षक रैली में पूरे भारतवर्ष एवं दूर देशों से आए हुए सेवा दल के श्रद्धालुओं ने हजारों की संख्या में भाग लिया। इस रैली में जहां शारीरिक व्यायाम, खेलों एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति द्वारा निःस्वार्थ सेवा भाव अभिव्यक्त किया गया वहां मिशन की शिक्षाओं पर आधारित लघु नाटिकायें भी प्रस्तुत की गई।

विदेश भेजने के नाम पर दो युवकों से ठगे 12 लाख

■ दोनों मामलों में 10 लोगों के खिलाफ किया धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

विदेश भेजने के नाम पर दो युवकों से 12 लाख रुपये हड़प लिए गए। पुलिस ने दोनों मामलों की जांच के बाद 10 आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

गांव अलीशेरपुर माजरा के राजेंद्र कुमार ने व्यासपुर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह 24 जुलाई 2024 में विदेश जाने के लिए चंडीगढ़ के सेक्टर आठ सी में एससीओ 126-127 में बने दफ्तर में गया। यहां उसे रोहित, गुनगुन, सुरेंद्र, स्नेहा और इशप्रीत मिले। आरोपियों ने उसे बताया कि वह काफी युवाओं को विदेश भेज चुके हैं। उसने आरोपियों पर विश्वास कर लिया। इसके बाद आरोपियों ने उसे विदेश भेजने का आश्वासन दिया। आरोपियों ने उससे विदेश भेजने के नाम पर आठ लाख 80 हजार रुपये व दस्तावेज ले लिए।

इसके बाद आरोपियों ने उसे विदेश नहीं भेजा। जब उसने आरोपियों से बात की तो उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

महिला से हड़पे सवा तीन लाख रुपये

यमुना गली निवासी शहर की यमुना गली निवासी हेमलता ने बताया कि उसका बेटा रुशल 12वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी के लिए विदेश जाना चाहता था। इस दौरान उसे पता चला कि हेमराज, रिया शर्मा, जसप्रीत सिंह, अंकिता व सौरभ युवाओं को विदेश भेजने का काम करते हैं। वह आरोपियों से उनके कार्यालय में मिली। आरोपियों ने उसके लड़के रूशल को विदेश भेजने के नाम पर सवा तीन लाख रुपये व दस्तावेज ले लिए। मगर काफी दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों ने उसके लड़के को विदेश नहीं भेजा।

खबर संक्षेप

घर के बाहर बैठी महिला के कानों से झपटी बालियां

यमुनानगर। शहर की चोपड़ा गार्डन कॉलोनी में दोपहर को घर के बाहर बैठे महिला के कानों से सोने की बालियां झपट ली। घटना के बाद आरोपी युवक मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। चोपड़ा गार्डन निवासी सुमित्रा देवी ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शुक्रवार को दोपहर एक बजे वह अपने घर के बाहर बैठी थी। इस दौरान उसके पास एक युवक आया। आरोपी ने उसे पता पूछने के बहाने उसके कानों से सोने की बालियां झपट ली और मौके से फरार हो गया।

केंद्रीय सहकारी कोऑपरेटिव बैंक में चोरी का प्रयास

यमुनानगर। साढ़ौरा स्थित दी यमुनानगर केंद्रीय सहकारी कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड में चोरों ने बीती रात चोरी का प्रयास किया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार जिला अंबाला के गांव जोली निवासी सतबीर सिंह ने साढ़ौरा पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह दी यमुनानगर केंद्रीय सहकारी कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड साढ़ौरा में कर्मचारी है। 30 अक्टूबर को शाम पांच बजे वह बैंक को बंद करके अपने घर चले गए थे। अगली सुबह जब नौ बजे बैंक में आए तो बैंक के गेट का ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर कोऑपरेटिव बैंक में रखा सारा सामान सुरक्षित मिला। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी।

प्राचीन काल से जुड़ी है श्रद्धालुओं की बड़ी आस्था

श्री कपालमोचन तीर्थस्थल पर है पांच तीर्थों का संगम

भगवान सिंह राणा ▶▶ यमुनानगर

महर्षि वेदव्यास की तपोस्थली रहे श्रीकपालमोचन तीर्थ स्थल से प्राचीन काल से श्रद्धालुओं की आस्था जुड़ी है। बताया गया है कि श्रीकपालमोचन तीर्थ स्थल सदियों पहले व्यासपुर के नाम से मशहूर रहा है। इस तीर्थ स्थल की खासियत यह है कि यह पांच तीर्थों कपालेश्वर, चंडेश्वर, ऋणमोचन, सूरजकुंड व कपालमोचन तीर्थ का संगम है। इन पांचों तीर्थ स्थलों के मध्य में 360 यज्ञ कुंड हैं। इनमें कपालेश्वर तीर्थ प्रमुख एवं केंद्र बिंदु है। पांच तीर्थों के संगम में स्नान करने से बड़े पुण्य की प्राप्ती होती है। -वेदव्यास की कर्मभूमि रहा कपालमोचन धर्म ग्रंथों के अनुसार महाभारत के रचयिता महर्षि पराशर के पुत्र भगवान वेदव्यास की कर्मभूमि भी बिलासपुर रही है। उन्हीं के विश्राम स्थल का नाम व्यास आश्रम पड़ा। समय बीतने के साथ-साथ बक्करवाला व कुरड़ी खेड़ा गांव के लोग व्यास आश्रम के साथ रहने लगे जिससे इसका नाम व्यासपुर पड़ा। जो कालांतर में बिलासपुर के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

व्यास आश्रम के पूर्व में एक मील की दूरी पर तीर्थ गंगा सागर, रामसर तथा श्रीकुंड तीर्थ एवं गंगा मंदिर जगाधरी स्थित हैं। व्यास आश्रम के पश्चिम में सरस्वती मंदिर है जबकि उत्तर में तीर्थ कपालमोचन है। प्राचीन समय में यहां चंद्रकुंड होने की मान्यता भी है लेकिन इस समय इसके अवशेष नहीं है। इसी अवधि में काजी जी के घर एक लड़का पैदा हुआ और एक वर्ष बाद काजी ने सपरिवार यहां आकर केशवदास जी को 1300 बीघा जमीन देकर भगवान श्रीराम जी का तीन मंजिला मंदिर बनवाया। जिसके ऊपर रोजाना चिराग जलाया जाता था। काजी हर सायं चिराग देखकर ही खाना खाते थे। उन्हीं के वंशज के रूप में इस भू-भाग पर साढ़ौरा में आज भी काजी मोहल्ला आबाद है। यही वजह है कि हिंदू व सिक्खों के अलावा मुस्लमान भी कपालमोचन के प्रति आगाध श्रद्धा रखते हैं।

यमुनानगर। कपालमोचन तीर्थ स्थल पर कपालमोचन सरोवर में स्नान करते श्रद्धालु।

राम मंदिर में है सभी धर्मों की आस्था

कपालमोचन तीर्थ पर राम मंदिर के बारे में यह मान्यता है कि अकबर-ए-आजम के शासनकाल में इस स्थान पर आबादी नहीं थी। केवल जंगल ही था क्योंकि उस समय जनसंख्या कम थी। तीर्थ के नजदीक एक टीले पर झाड़ी के नीचे दूधाधारी बाबा केश्वदास जी तपस्या करते थे। एक दिन अकबर सामाज्य के परगना साढ़ौरा के काजी फिमूदीन जो कि निःसंतान व वृद्ध थे, शिकार खेलते हुए पानी की तलाश में यहां आए और उन्होंने तपस्यालीन महात्मा केशवदास तक पहुंचने का प्रयत्न किया। लेकिन जैसे ही वह उनके समीप पहुंचे तो अंधे हो गए लेकिन जब महात्मा जी ने तपस्या के बाद आंखें खोली तो कहा कि तुम समाधि की परिधि के अंदर आ गए हो, इसलिए कुछ पीछे हट कर अपनी बात कहो।

यमुनानगर। कपालमोचन तीर्थ स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी का रिबन काटकर उद्घाटन करते हुए मंडल आयुक्त संजीव वर्मा। फोटो: हरिभूमि

प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालें

यमुनानगर। सद्भावना, एकता एवं भाईचारे के प्रतीक कपाल मोचन मेले में जिला प्रशासन द्वारा लगाई गई विभिन्न विभागों की विकासात्मक गतिविधियों को दर्शाती भव्य प्रदर्शनी का मुख्यातिथि एवं अंबाला मंडल आयुक्त संजीव वर्मा ने अवलोकन किया। इससे पहले उन्होंने रिबन काटकर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। मंडल आयुक्त संजीव वर्मा ने प्रदर्शनी में लगाई गई विभिन्न विभागों द्वारा तीन दर्जन से अधिक स्टालों का निरीक्षण भी किया और मेला में पहुंचे यात्रियों से अनुरोध किया कि वह प्रदर्शनी को देख कर विभिन्न विभागों द्वारा उनके हित में चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उठाएं। इन विभागों द्वारा प्रदर्शनी में लगाई स्टालें प्रदर्शनी स्थल में जिला उद्योग केंद्र, वन विभाग, उद्यान विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग हरियाणा, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, बागवानी विभाग, स्वास्थ्य विभाग, मत्स्य विभाग, जिला ग्रामीण विकास एजेन्सी, जिला शहरी विकास प्राधिकरण, रैड क्रास समिति, अक्षय ऊर्जा विभाग हरियाणा,हरियाणा बीज विकास निगम, शिक्षा विभाग द्वारा सर्व शिक्षा अभियान की सफलता, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, बीएसएनएल, पंजाब नेशनल बैंक, हरियाणा खादी ग्रामोद्योग, हरियाणा राज्य परिवहन यमुनानगर के अतिरिक्त ईश्वरीय ब्रह्मकुमारी आदि समेत अन्य ने अपने-अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया हुआ है।

यमुनानगर। कपालमोचन मेले में जुटी श्रद्धालुओं की भीड़। फोटो: हरिभूमि

मेला स्थल पर उमड़ने लगा श्रद्धालुओं के आस्था का सैलाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

महर्षि वेदव्यास की पावन स्थली पर स्थित उत्तरी भारत के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पर शनिवार को मेले का शुभारंभ होते ही श्रद्धालुओं ने पवित्र सरोवरों में आस्था की डूबकी लगाकर स्नान और पूजा अर्चना की। मेला स्थल पर विभिन्न प्रांतो को श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरु हो गया है। खास बात यह है कि तीर्थ स्थल पर स्थित मंदिरों में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ की आस्था देखते ही बनती है। मंदिरों में पहुंचकर श्रद्धालु जहां माथा टेककर मन्नतें मांग रहे हैं, वहीं तीर्थ सरोवरों में स्नान कर पूण्य कमा रहे हैं। अगले पांच दिन तक मेला क्षेत्र में सभी समुदायों के श्रद्धालुओं की भिनी-भिनी मुस्कान आकर्षण का केंद्र रहेगी। -सर्वधर्म संभाव का प्रतीक है तीर्थ स्थल सर्वधर्म संभाव के प्रतीक कपाल मोचन मेले में उमड़े सभी धर्म समुदाय के श्रद्धालुओं को देखते हुए प्रशासन ने भी मेला परिसर में विभिन्न समुदाय के लोगों के अनुरूप खास तौर पर हर संभव इंतजाम किए हैं। खास बात यह है कि तीर्थ स्थल के पवित्र सरोवरों में जहां सभी धर्म समुदाय के लोग डूबकी लगाकर मोक्ष की कामना कर रहे हैं।

दी जा रही जानकारी

श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो, इसके लिए रेलवे व अन्य कंपनियों की तर्ज पर पंजाबी, हिंदी व अंग्रेजी में रिकार्डेड सूचनाएं दी जा रही हैं। इसके अलावा मेला सूचना केंद्र के माध्यम से पार्किंग के रेट, जरूरी वस्तुओं की उपलब्धता समेत अन्य सूचनाएं व सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी दी जा रही हैं।

मेला परिसर में बनाया सांस्कृतिक मंच

श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए प्रशासन ने मेला परिसर में एक सांस्कृतिक मंच बनाया है जहां पर श्रद्धालुओं के मनोरंजन के इंतजाम किए गए हैं। मेला क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर विभिन्न प्रांतो के श्रद्धालु अपनी-अपनी सांस्कृति को प्रदर्शित करने में लगे हैं। मेला परिसर में चप्पे-चप्पे पर है तीसरी आंख की कड़ी नजर कपालमोचन मेला में किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना न घटे इसके लिए प्रशासन ने चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर दिए हैं। मेला परिसर में अपराधी किस्म के तत्व अपने नापाक इरादों में सफल न होने पाएं, इसके लिए प्रशासन ने ऐसे तत्वों पर शिकंजा कसने के लिए क्लॉज सर्किट कैमरे फिट कर दिए हैं। अर्जुन की आंख रूपी कैमरों की पैनी दृष्टि हर समय मछली रूपी असामाजिक तत्वों पर बनी रहेगी।

यमुनानगर। मॉडल टाउन में श्री खाटू श्याम के जन्मोत्सव कार्यक्रम में केक काटकर जयघोष करते हुए श्रद्धालु।

श्रद्धालुओं ने मॉडल टाउन में श्रीखाटू श्याम का जन्मोत्सव मनाया

यमुनानगर। श्री खाटू श्याम के सेवकों ने शहर के मॉडल टाउन में शनिवार को श्री खाटू श्याम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। श्रद्धालुओं ने सबसे पहले केक काटा और दोपहर को भंडारे का आयोजन किया गया। मौके पर भजन संकीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में नगर के पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर एवं वरिष्ठ भाजपा नेता पवन बिट्टू ने भाग लिया। मुख्यातिथि एवं निगम के पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर पवन बिट्टू ने श्री खाटू श्याम के जन्मोत्सव पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए श्रद्धालु मनीष मलिक, लवली, धैर्य, कमल मलीक, सीमा मलिक, भावना, अनन्या, सक्षम व दिशा आदि की सराहना की। उन्होंने कहा कि श्री खाटू श्याम के जन्मोत्सव पर भव्य कार्यक्रम और भंडारे का आयोजन करके श्रद्धालुओं ने श्री खाटू श्याम में जहां अपनी भक्ति भावना को दर्शाया है। इस अवसर पर पूर्व पार्षद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेंद्र शर्मा, भाजपा के वरिष्ठ नेता राजिंद्र राणा, मास्टर अमित सैनी, समायरा, शौर्य, विशाल, टिटू आदि मौजूद रहे।

चीनी की सप्लाई करने के नाम पर व्यापारी से हड़पे 35.80 लाख रुपये

पुलिस ने परिवार के तीन लोगों के खिलाफ किया धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

चीनी की सप्लाई करने के नाम पर मॉडल कॉलोनी निवासी संदीप कुमार से 35.80 लाख रुपए हड़प लिए गए। आरोप देहरादून निवासी अवनीश बंसल, अयाशी बंसल व प्रेरणा गुप्ता पर लगा है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मॉडल कॉलोनी निवासी संदीप कुमार ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी मॉडल कॉलोनी में लॉर्ड कृष्ण एंटरप्राइजेज तथा पार्टनरशिप में शिव शक्ति एंटरप्राइजेज प्रोफेसर कॉलोनी में कंपनी है। वह चीनी की सप्लाई करने का काम करता है। 17 नवंबर 2023 को वह गूगल पर चीनी सप्लाई करने वाले लोगों की जांच कर रहा था। इस दौरान उसे गूगल पर एक ऐड देखी। उसने जब उस पर दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क किया तो उधर से अयाशी बंसल नाम की युवती बोली। उसने बोला कि वह न्यूट्री एग्रो ओवरसीज की कर्मचारी है। वह पूरे देश में चीनी की सप्लाई करने का काम करते हैं। इस दौरान आरोपियों ने उसे यमुनानगर में आकर मिलने की बात कही। संदीप कुमार ने बताया कि इसके बाद अवनीश बंसल, अयाशी बंसल तथा प्रेरणा गुप्ता उसे यमुनानगर में आकर मिले। आरोपियों ने उसे कहा कि वह उसे प्रतिदिन चीनी की सप्लाई करते रहेंगे। इसके लिए उन्हें एडवांस में पैसे देने होंगे। संदीप कुमार ने बताया कि उसने आरोपियों को पैसे ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद आरोपियों ने उसको चीनी की सप्लाई कर दी। अगले दिन उसने फिर से आरोपियों के अकाउंट में पैसे ट्रांसफर किया मगर इसके बाद आरोपियों ने चीनी की सप्लाई कम कर दी। इसके बाद आरोपियों ने लगातार चीनी की सप्लाई कम करते रहे। जब उसने आरोपियों से बात की तो आरोपियों ने कहा कि चीनी की मिल खराब हो रही है। जिस कारण वह चीनी की सप्लाई कम दे रहे हैं। संदीप कुमार ने बताया कि इस प्रकार आरोपियों ने उसे चीनी की सप्लाई के नाम पर 35 लाख 80 हजार रुपये हड़प लिए। आरोपियों ने उसे चीनी की सप्लाई नहीं दी। इस दौरान उसे पता चला कि 62 करोड रुपये की धोखाधड़ी के मामले में गुजरात पुलिस आरोपियों को पकड़कर ले गई है।

हरियाणा ने मेहनत, अनुशासन व आत्मगौरव से देश भर में बनाई अपनी पहचानः चौहान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

भाजपा के ओबीसी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व मेयर मदन चौहान ने कहा कि हरियाणा ने मेहनत, अनुशासन और आत्मगौरव से देश भर में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने शनिवार को गोबिंदपुरी मार्ग स्थित कार्यालय में बातचीत करते हुए हरियाणा के गौरवशाली रहे इतिहास पर अपने विचार व्यक्त किए। मौके पर उन्होंने प्रदेश व जिलेवासियों को हरियाणा दिवस की शुभकामनाएं दी।

भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष मदन चौहान ने कहा कि पंजाब से अलग होकर एक नवंबर 1966 को हरियाणा का गठन होने के बाद से ही प्रदेश का गौरवशाली इतिहास रहा है। हरियाणा ने अपनी मेहनत, अनुशासन और आत्मगौरव से देश में अपनी नई पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में प्रदेश विकास से वंचित रहा। वहीं, कांग्रेस शासन में प्रदेश में भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद और प्रशासनिक अव्यवस्था ने जनता को निराश किया। प्रदेशाध्यक्ष मदन चौहान ने कहा कि भाजपा सरकार के पिछले 11 वर्षों में हरियाणा ने नई दिशा और नई सोच के साथ तरक्की की मिसाल पेश की है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य ने सुशासन, पारदर्शिता और ईमानदार राजनीति की नई पहचान बनाई है। अब हर घर तक सड़क, बिजली, पानी और शिक्षा की सुविधाएं पहुंची हैं। किसानों को फसलों का पूरा मूल्य मिल रहा है। युवाओं को पारदर्शी भर्ती प्रणाली से रोजगार के अवसर मिले हैं। जबकि उद्योग और स्टार्टअप को बढ़ावा देकर प्रदेश आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है। मदन चौहान ने कहा कि हरियाणा की पहचान मेहनत, ईमानदारी और राष्ट्रभक्ति से है। भाजपा सरकार ने प्रदेश को विकास और सुशासन का उदाहरण बनाया है। आज प्रदेश में किसान, व्यापारी, मजदूर, कर्मचारी और मेहनतकश समेत सभी वर्ग खुशहाल हैं।

- भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष मदन चौहान ने प्रदेशवासियों को दी हरियाणा दिवस की शुभकामनाएं

यमुनानगर। रादौर में ब्राह्मण धर्मशाला में आयोजित शिविर में आंखों की जांच करते नेत्र रोग विशेषज्ञ। फोटो: हरिभूमि

शिविर में जांचे 130 लोगों के नेत्र

रादौर। श्री राम विचार वाटिका छोटाबांस स्थित श्रीआत्मरामानंद चेरिटेबल आई अस्पताल के तत्वावधान में रादौर की ब्राह्मण धर्मशाला में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ श्री रामविचार वाटिका के महंत स्वामी उदयात्मानंद महाराज ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। शिविर में वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ विजय कुमार के नेतृत्व में चिकित्सकों ने 130 मरीजों के नेत्रों की जांच कर उन्हें आंखो की बीमारियों से बचाव के उपाय बताए। मौके पर मरीजों को मुफ्त में दवाइयां वितरित की गई। इस दौरान 30 लोगों की आंखों में सफेद मोतिया मिला। वहीं, 65 लोगों को मुफ्त में नजर के चश्में वितरित किए गए। मौके पर महंत स्वामी उदयात्मानंद महाराज ने कहा कि संस्था की ओर से रादौर क्षेत्र के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए आंखो का अस्पताल खुलवाया गया है। जिससे क्षेत्र में ही लोगों को आंखों के रोगों को दूर करने की सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि जागरुकता के अभाव में लोग नेत्र रोगों से पीड़ति हो जाते हैं। महंत ने कहा कि कई बार लोग लापरवाही बरतने के कारण समय पर अस्पताल में जाकर अपनी आंखो की जांच नहीं करवा पाते हैं। उन्होंने लोगों से आंखो को स्वस्थ रखने के लिए इस प्रकार आयोजित किए जाने वाले शिविरों में पहुंचकर लाभ उठाए जाने का अनुरोध किया।

रामकुमार वर्मा रादौर बने आल इंडिया स्वर्णकार समाज एसोसिएशन

रादौर। ऑल इंडिया स्वर्णकार समाज एसोसिएशन की ओर से रामकुमार वर्मा रादौर को सर्वसम्मति से एसोसिएशन का नगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। एसोसिएशन के सदस्यों ने रामकुमार वर्मा के नगर अध्यक्ष बनाए जाने पर खुशी जताई है। नवनियुक्त नगर अध्यक्ष रामकुमार वर्मा ने कहा कि संगठन की ओर से उन्हें जो जिम्मेवारी दी गई है। वह उसका पूरी निष्ठा व लग्न से पालन करेंगे। वह स्वर्णकारों की आवाज को बुलंद कर उनकी समस्याओं का समाधान व उनकी मांगों को पूरा करवाने में पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने अपनी नियुक्ति के लिए एसोसिएशन के पदाधिकारियों का हार्दिक आभार प्रकट किया है।

यमुनानगर। ग्लोब हेरिटेज स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में जानकारियां देते हुए मुख्य वक्ता। फोटो: हरिभूमि

ट्विन सिटी के तीन वार्डों में एक करोड़ 17 लाख सात हजार रुपये के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

मेयर ने विकास कार्यों को समय अवधि में पूरा करने के दिए निर्देश

निर्धारित मानकों के अनुसार उच्च गुणवत्ता के साथ समय पर पूरे करें विकास कार्यः बहमनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

नगर निगम यमुनानगर जगाधरी प्रशासन द्वारा शहरवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाए जाने के उदेश्य से निगम के प्रत्येक वार्ड में समान रुप से विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। उक्त शब्द नगर निगम की मेयर सुमन बहमनी ने ट्विन सिटी के तीन वार्ड़ों में एक करोड़ 17 लाख सात हजार रुपये की लागत से किए जाने वाले विकास कार्यों का शिलान्यास व नारियल फोड़कर निर्माण कार्य का उद्घाटन करते हुए कहे।

मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार समान रुप से विकास कार्य, स्वच्छ वातावरण और सशक्त सुशासन की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। सरकार द्वारा नगर निगमों को पर्याप्त बजट उपलब्ध कराया जा रहा है। ताकि नागरिकों को हर सुविधा उनके वार्ड में ही मिल सकें। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा जिन कार्यों की शुरुआत की गई है। उनमें वार्ड नंबर 17 में 66 लाख 20 हजार रुपये की लागत से शिव नगर से आदर्श नगर अंडरपास तक नाले का निर्माण, तथा लक्ष्मी नगर एक्सटेंशन में पांच गलियों और भूमिगत पाइप लाइन का निर्माण शामिल है।

वहीं, वार्ड नंबर 13 में 33 हजार 87 हजार रुपये की लागत से जम्मू कॉलोनी में नैना देवी मंदिर से विजय के घर तक, डिम्पी के घर से दीप के घर तक और सोनिया के घर तक की गलियों का निर्माण, साथ ही रेवेन्यू रास्ते पर रिटेनिंग वॉल बनाई जाएगी। जबकि वार्ड नंबर 8 में 17 लाख रुपये की लागत से श्री गायत्री पार्क और मसीह अस्पताल के समीप स्थित ग्रीन पार्क का नवीनीकरण व सौंदर्यीकरण किया जाएगा।

यमुनानगर। तीन वार्डों के विकास कार्यों का शिलान्यास करते हुए मेयर सुमन बहमनी।

सरकार के प्रयासों से बदल रहा है शहर का स्वरूप

मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि निगम प्रशासन और प्रदेश सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ, सुंदर और सुविधाजनक शहरी वातावरण मिले। मेयर ने शहरवासियों से अपील की कि वे अपने क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों में सहयोग करें और शहर को बेहतर बनाने में सहभागिता निभाएं। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनहित को सर्वोपरि रखकर निरंतर कार्य कर रही है। आज विकास की गूंज हर गली मोहल्ले तक पहुंच रही है। मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष शुभम राणा, अमन सग्गड़, मनोज धीमान, पार्षद दीक्षित धीमान,पार्षद श्याम लाल शर्मा,पार्षद विभोर पाहुजा, निगम अभियंता मृणाल जयसवाल, सुरेंद्र दहिया, कनिष्ठ अभियंता तुलसी कुमार और अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

गुणवत्ता पर रहेगा विशेष ध्यान

मेयर सुमन बहमनी ने निगम अधिकारियों को सभी विकास कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार उच्च गुणवत्ता के साथ समय पर पूरे किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता नागरिकों की सुविधा और पारदर्शी व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की नायब सैनी सरकार का लक्ष्य है कि विकास कार्य किसी एक क्षेत्र तक सीमित न रहें। हर वार्ड, हर गली और हर नागरिक तक विकास की रोशनी पहुंचे।

यमुनानगर। गांव खजूरी में नए टयूबवेल चैंबर का शुभारंभ करते नेपाल राणा व अन्य। फोटो: हरिभूमि

नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाना है सरकार की प्राथमिकता

रादौर। रादौर क्षेत्र के गांव खजूरी में ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए जन स्वास्थ्य अभियंत्रिकी विभाग द्वारा शनिवार को नए नलकूप का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के पुत्र एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता नेपाल राणा ने भाग लिया। मुख्यातिथि नेपाल राणा ने नए नलकूप का नारियल फोडकर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा हर गांव में ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाए जाने के लिए नलकूप लगाए गए हैं। जिन गांव में नलकूप नहीं हैं वहां पर नए नलकूप लगाए जा रहे हैं। नए नलकूप का शुभारंभ होने से गांव खजूरी की महात्मा गांधी बस्ती व गांव बैंडी की महात्मा गांधी बस्ती में पहली बार शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति शुरू हुई है। इससे ग्रामीणों को पर्याप्त मात्रा में शुद्ध जल उपलब्ध होगा और उनकी पुरानी समस्याओं का समाधान होगा।

बच्चों को जीवन की सही कलाओं का ज्ञान होना आवश्यकः दत्त

रादौर। ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल सांगीपुर में शनिवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा विषय विशेष क्षमता वृद्धि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल की प्रधानाचार्य रीतू सिंगला ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। वहीं, मुख्य वक्ता के रुप में गणित विशेषज्ञ सीमा दत्ता व सुरेश अग्रवाल ने भाग लिया। कार्यक्रम में 13 स्कूलों के 61 शिक्षकों को जायफुल मैथेमेटिक्स का प्रशिक्षण दिया गया। मुख्य वक्ता सीमा दत्ता ने कहा कि शिक्षक जीवन को जिस तरह जीता है वही तरीका अधिकतम रूप से बच्चों में स्थानांतरित होता है। क्योंकि यह भी एक प्रकार की ऊर्जा है जो एक स्थान से दूसरे स्थान तक स्थानांतरित की जा सकती है। वर्तमान के प्रतियोगिता भरे युग में बच्चे को जीवन की सही कलाओं का ज्ञान होना आवश्यक है। ताकि वो इस भीड़ में भी खुद को स्थापित कर सके। मुख्य वक्ता सुरेश अग्रवाल ने शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि वर्तमान युग में किसी भी कक्षा में बच्चों को पढ़ाना पुराने समय जैसा नहीं रहा है। इसलिए बच्चों को गतिविधियों में शामिल करके उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व है। जिससे एक इंसान न केवल हर दिन सीखता है। बल्कि प्रतिदिन नयी चीजों को सीखता हुआ जीवन में सफलता हासिल करता है। जो हमें जीवन में संगठित होने की शिक्षा देता है। स्कूल के एचआर मैनेजर अमित सिंघल ने मुख्य वक्ताओं व सभी शिक्षकों का धन्यवाद किया।

खबर संक्षेप

25 को होगा प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि श्रीगुरु तेग बहादुर जी बलिदान, शांति और मानवता के प्रतीक हैं। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि जिला में अब 25 नवंबर तक गुरु साहिब जी के आदर्शों से प्रेरित विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसकी शुरूआत जिला प्रशासन ने रक्तदान शिविरों का आयोजन करके की है। उन्होंने कहा कि 8 नवंबर को सिरसा के रोडी, 11 नवंबर को पंचकूला के गांव मढ़ावाला, 14 नवंबर को फरीदाबाद से और 18 नवंबर को यमुनानगर के सढ़ोरा से शहीदी यात्रा निकाली जाएंगी।

सीजेएम ने किया साक्षी बाल कुंज आश्रम का निरीक्षण

लाडवा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा साक्षी बाल कुंज आश्रम लाडवा का निरीक्षण किया। सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने बाल आश्रम के बच्चों के कमरों का निरीक्षण किया और आश्रम में बच्चों को दिए जाने वाले भोजन का जायजा लिया। वहीं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने बाबा बंसी वाला वृद्ध आश्रम लाडवा का भी निरीक्षण किया।

विद्या भारती संगीत केन्द्र का पुनः शुभारंभ

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान में विद्या भारती संगीत केन्द्र का पुनः शुभारंभ आज किया गया। संस्थान की अध्यक्षा डॉ. ममता सचदेवा ने विधिवत रूप से संगीत केन्द्र का शुभारंभ करते हुए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर संस्थान के सहसचिव डॉ. पंकज शर्मा, कोषाध्यक्ष वीरेन्द्र वालिया, उत्तर क्षेत्र प्रमुख अनिल कुलश्रेष्ठ, श्रीसोमदत्त भी साथ थे। संस्थान के प्रबंधक सुधीर कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्या भारती संगीत केन्द्र प्रयाग संगीत समिति से मान्यता प्राप्त है।

पूर्व प्रधानमंत्री गुलजारी लाल नंदा का कुरुक्षेत्र के विकास में अहम योगदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

23 जनवरी 1973 को करनाल से अलग होकर कुरुक्षेत्र जिला बना। कुरुक्षेत्र करनाल जिले का एक छोटा सा हिस्सा था और काफी पिछड़ा हुआ था। आज वही अंतरराष्ट्रीय पटल पर अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। हरियाणा गठन (1966) के बाद, कुरुक्षेत्र पहले करनाल जिले का हिस्सा था और एक अलग जिला नहीं था। इसे 23 जनवरी, 1973 को करनाल जिले से अलग करके एक नए जिले के रूप में बनाया गया था। पूर्व प्रधानमंत्री गुलजारी लाल नंदा का कुरुक्षेत्र के विकास में अहम योगदान रहा।

कुरुक्षेत्र। ऐतिहासिक ब्रह्मसरोवर।

कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड का गठन किया

गुलजारी लाल नंदा ने द्वारा कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड का गठन किया गया था, जिसके बाद कुरुक्षेत्र को अलग पहचान मिली और ब्रह्मसरोवर, सन्निहित सरोवर तीर्थ व अन्य धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार हुआ। 1966 में कुरुक्षेत्र करनाल का हिस्सा था। पिछड़ा होने के कारण यह क्षेत्र एक गांव की तरह नजर आता था। पुराने लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र का अधिकतम भाग जंगल था। सुविधाओं का अभाव था। अधिकतम सड़कें कच्ची थीं। एक विश्वविद्यालय यहां पर था। ब्रह्मसरोवर एक गांव के तालाब की तरह नजर आता था, जो रेलवे लाइन आज शहर के बीचों बीच से गुजर रही है, उस समय इसके सिर्फ दायीं ओर का ही क्षेत्र बसा हुआ था। कृष्णा गेट से रेलवे रोड के बीच भी जंगल था। हरियाणा के अस्तित्व में आने के बाद और कुरुक्षेत्र जिला बनने से पहले 1 अगस्त 1968 को कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड का गठन हुआ था। बोर्ड के गठन के बाद 1971 में ब्रह्मसरोवर के जीर्णोद्धार का काम शुरू हुआ। 1975 में विशाल ब्रह्मसरोवर बनकर तैयार हुआ। यह एशिया का सबसे बड़ा सरोवर है। हरियाणा के अस्तित्व में आने से पहले का विश्वविद्यालय भी कुरुक्षेत्र में ही है।

जिले में 2 विवि सहित 16 महाविद्यालय

देश का एक मात्र आयुष विश्वविद्यालय भी कुरुक्षेत्र में है। हर वर्ष अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गीता जयंती महोत्सव आयोजित किया जाता है। इतना ही नहीं विदेशों में भी गीता महोत्सव मनाया जाता है। विश्व प्रसिद्ध सूर्य ग्रहण का मेला भी यहीं लगता है। जिले में दो विश्वविद्यालय के साथ-साथ 16 महाविद्यालय हैं। सड़कों की बात की जाए तो कुरुक्षेत्र में तीन राष्ट्रीय और चार राज्य राजमार्ग हैं। जिले में चार विधानसभा क्षेत्र थानेसर, पिहोवा, लाडवा और शाहाबाद हैं। वहीं 400 से ज्यादा ग्राम पंचायतें हैं। कुरुक्षेत्र का भौगोलिक क्षेत्र 1530 स्क्वायर मीटर है। इस समय जिले की आबादी करीब 12 लाख है। शहर के विकास की बात की जाए तो शहरवासियों को आए दिन जाम से निजात दिलाने के लिए एलिवेटेड रेलवे ट्रैक बनाया जा रहा है। इसके बनने से शहर के बीच से गुजर रही रेलवे लाइन पर बने पांच फाटकों से निजात मिलेगी। यह प्रोजेक्ट लगभग तैयार हो चुका है। एलिवेटेड ट्रैक पर रेलवे प्लेटफार्म बनाए जाने का कार्य चल रहा है।

हरियाणा दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

हरियाणा के जवानों व खिलाड़ियों ने किया देश का नाम रोशन : सुधा

- कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि हरियाणा के जवानों और खिलाड़ियों ने विश्व भर में देश का नाम रोशन किया है। देश की सीमा पर तैनात सैनिकों में सबसे ज्यादा संख्या प्रदेश के जवानों की है। इन जवानों ने मौका आने पर दुश्मन को अपनी ताकत का अहसास करवाया है। इसी तरह खेलों में हरियाणा का डंका पूरे विश्व में सुनाई देता है। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश के आधे से ज्यादा मेडल प्रदेश के खिलाड़ियों के होते हैं। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा शनिवार को हरियाणा कला परिषद स्थित भरतमुनि रंगशाला में हरियाणा दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इससे पहले पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत रूप से शुभारंभ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व स्कूली छात्राओं ने हरियाणवी गीतों पर अपनी प्रस्तुतियां दी। इस कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा को उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश नए आयामों को प्राप्त कर रहा है। आज प्रदेश के गठन के 60 वर्ष पूरे गए हैं। इस खुशी के मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश की महिलाओं को दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 2100 रुपए प्रति महीना भेजना शुरू किया है।

कुरुक्षेत्र। सफाई कर्मचारी को सम्मानित करते पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा।

प्रदेश ने कृषि, उद्योग, खेल सहित हर क्षेत्र में अपनी छोड़ी अनोखी छाप : उपायुक्त

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि जब पंजाब से अलग होकर हरियाणा प्रदेश का गठन किया गया था, तब प्रदेश में बहुत ज्यादा चुनौती रही थी। प्रदेश ने उन चुनौतियों का सामने करते हुए कृषि, उद्योग, खेल सहित हर क्षेत्र में अपनी अनोखी छाप छोड़ी है। अब प्रदेश की गिनती देश के टॉप पांच राज्यों में की जाती है। उन्होंने कहा कि सेना की बात आने पर हरियाणा का नाम गर्व से साथ पहले स्थान पर लिया जाता है और जब खेलों की चर्चा होती है तो विश्व भर में हरियाणा की गूंज जाती है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि अब जिला के सभी नागरिकों को मिलकर कुरुक्षेत्र को स्वच्छता में प्रदेश का नंबर वन स्थान दिलाना है। इसके लिए सफाई मित्रों के साथ हर नागरिकों को सहयोग के लिए आगे आना होगा। तभी ये लक्ष्य आसानी से हासिल हो पाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में जिला में क्या हुआ और आने वाले वर्ष में क्या किया जाना है। इस विषय पर भी मंथन किया जाएगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी, जिप चेयरपर्सन कंवलजीत कौर, डीएमसी अमन कुमार, नगराधीश आशीष कुमार, डीएसपी रणधीर सिंह, डीडीपीओ विकास, रोडवेज जीएम शेर सिंह, नपा लाडवा सचिव नीरज सैनी, चेयरमैन सुरेश सैनी, मंडल अध्यक्ष नरेन्द्र दबखेडा, मलकीत ढांडा, पार्षद मनिन्द्र छिंदा, गौरव भट्ट, नरेंद्र शर्मा, मोहन लाल अरोड़ा, सोहन लाल रामगढ़ रोड, नरेन्द्र निंदा, पार्षद संजीव सीकरी, रवि सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

नप व नपा के सफाई मित्रों को दिए प्रशंसा पत्र

इस कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि ने नगर परिषद थानेसर के कर्मचारी गौरव, राजेश, सन्नी, अमित, विपिन्न, अनिल कुमार, सुभाष, जसबीर, सुरेंद्र, अशोक, जगमाल, संजीव, सुमित, सागर, छत्रपाल, दीप सिंह, सोनू, अनिल, मनीष, कुलविंदर, राजू, कर्ण को प्रशंसा पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसी तरह एमसी इस्माइलाबाद के राजीव, प्रवीन, विनोद को, नगर पालिका शाहाबाद के नवीन, चंद्रकांत, महीपाल को, नगर पालिका पिहोवा के दलविंद्र, इकबाल, कीरतन और नगर पालिका लाडवा के ऋषिपाल, ललित व धर्मपाल को प्रशंसा पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

अच्छे कार्य करने पर पांच पंचायतों को किया सम्मानित

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने अच्छे कार्य करने पर गांव रामसरन माजरा की सरपंच रीना देवी, गांव चनारथल की सरपंच जसविंद्र कौर, सांवला के सरपंच कमल, गांव बिहोली की सरपंच आशा रानी और गांव छपरा के सरपंच राजेंद्र कुमार को सम्मानित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में डीएवी स्कूल की छात्रा धारवी, राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्राएं खुशी व मुस्कान, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से अंकित की टीम व सुमित की टीम को बेहतरीन प्रस्तुति पर पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

राष्ट्रीय सम्मेलन की सफलता के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन

- रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा संबंधित अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा संबंधित अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन की बैठक वैरागी धर्मशाला कुरुक्षेत्र मे राज्य प्रधान मास्टर वजीर सिंह की अध्यक्षता मे आयोजित की गई। बैठक का संचालन महासचिव रतन जिंदल ने किया। बैठक में वयोवृद्ध मास्टर शेरसिंह, बहन आशा शर्मा, निर्मला देवी व सूरज कौर विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के बाद राज्य प्रेस सचिव धर्मपाल शर्मा ने बताया कि राज्य प्रधान मास्टर वजीर सिंह ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार द्वारा गठित आठवां वेतन पुनरीक्षण आयोग को दिया गया विचारणीय विंदु एवं अधिकार क्षेत्र को कर्मचारी और पेंशनर्स के हित के विरुद्ध एक खतरनाक षडयंत्र करार दिया है। इसका चहुतरफा विरोध हो रहा है। उन्होने कहा कि अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन का दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन 22-23 फरवरी 2026 को कुरूक्षेत्र हरियाणा मे होने जा रहा है। एआईएसजीईएफ देश के सेवानिवृत्त रिटायर्ड कर्मचारी व पेंशनर की हितों तथा देश की एकता,संप्रभुता तथा सांप्रदायिक सदभावना के लिए लगातार संघर्षरत है। इसका लक्ष्य देश मे तमाम तरह के भेदभाव,शोषण व गैर-बराबरी को खत्म करते हुए पेंशनरो व आमजन के जीवन मे सुधार करना है। वर्तमान समय में नागरिक अधिकारों में पेंशनरों पर हमले हो रहे हैं।

आज होगा भव्य भंडारा एवं संकीर्तन

कुरुक्षेत्र। ढांड रोड मिजापुर एसवाईएल किनारे स्थित खाटू श्याम मंदिर एवं धाम में रविवार 2 नवंबर को भव्य श्याम संकीर्तन एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंदिर अध्यक्ष एवं हरियाणा ब्राह्मण समाज प्रदेशाध्यक्ष पवन शर्मा पहलवान ने बताया कि बाबा श्याम की महिमा अपरंपार है, बाबा कि कृपादृष्टि से भक्तों के दुख क्लेश, कर्ज और रोग कट जाते हैं, पहलवान ने बताया कि यहां स्थित श्याम की प्रतिमा स्वतः प्रकट है जो उन्हें उनके प्रतिष्ठान में खुदाई के दौरान मिली थी। बाबा श्याम के चमत्कार और शक्ति ने उनका जीवन ही बदल दिया। पहलवान ने बताया कि वे परिवार के साथ खाटू श्याम धाम पंहुचे और बाबा ने उन पर कृपा की जिसके बाद स्वयं बाबा उनके यहां आ गए।

प्रकाश पर्व को समर्पित 5 नवंबर को निकलेगा नगर कीर्तनः बाबा महेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

गुरुद्वारा बाऊली साहिब प्रबंधन की बैठक शुक्रवार गुरुद्वारा मुखी संत बाबा महेंद्र सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें 5 नवंबर को श्रीगुरु नानक देव सिंह के प्रकाशोत्सव को भव्य ढंग मनाए जाने को लेकर की जा रही तैयारीयों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में मुख्य रूप से बाबा लक्खा सिंह, बाबा काला सिंह, बाबा हजूरा सिंह व बाबा विजय सिंह भी शामिल हुए। संत बाबा महेंद्र सिंह ने बताया कि श्रीगुरु ग्रंथ साहिब जी की छत्र छाया में नगर कीर्तन की अगवाई पजं प्यारें करेंगे। नगर कीर्तन में नगरवासियों सहित ग्रामीण क्षेत्र से भी भारी संख्या में साध संगत शामिल होगी। संगत की सुख सुविधाओं के लिए व्यापक प्रबंध किए जा रहे है। गुरु घर में पूरा दिन अटूट लंगर की व्यवस्था रहेगी। डॉ. परमजीत सिंह ने बताया कि गुरुद्वारा परिसर को रंग बिरंगी कपड़े की झालरों, लडियों व लाइटों से सजाया जा रहा है। नगर कीर्तन की तैयारियों को लेकर शहर के मुख्य मार्गों पर तोरणद्वार लगाए जाएंगे।नगर कीर्तन के दौरान शहर में विभिन्न स्थानों पर संगतो द्वारा लगाए जाने वाले लंगर आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इस मौके पर कश्मीर सिंह पन्नू, दर्शन सिंह, लखविंदर सिंह रंधावा, कृपाल सिंह जत्थेदार, सूरत सिंह, बलबीर सिंह, सतनाम सिंह, सरदूल सिंह, सहित अनेक सेवादार उपस्थित रहे।

- कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बैठक का आयोजन

पिहोवा। गुरु पर्व को लेकर गुरुद्वारा परिसर में बैठक की अध्यक्षता करते संत बाबा महेंद्र सिंह व उपस्थित सेवादार।

जिला युवा उत्सव को लेकर युवाओं में बना जोश और उत्साह : उपायुक्त

- कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर अधिकारी जुटे हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिला युवा उत्सव को लेकर युवाओं में जोश और उत्साह बना हुआ है। उनके इस उत्साह को देखते हुए कार्यक्रम बहुत ही बेहतरीन होंगे। आगामी 3 व 4 नवंबर को मल्टी आर्ट कल्चर सेंटर में जिला युवा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा और समापन अवसर पर जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी शिरकत करेंगे। इस आयोजन से संबंधित सभी अधिकारी अपनी तैयारियों में जुटे हुए हैं जो आयोजन के समय पर सभी तैयारियों को पूरा कर लेंगे। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि युवा महोत्सव में आने वाले प्रतिभागियों को मूलभूत सुविधाओं से संबंधित कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। कार्यक्रम स्थल पर पानी की व्यवस्था पूरी हो तथा कार्यक्रम स्थल पर और कार्यक्रम स्थल के आसपास पूरी साफ सफाई हो। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव में 41 पुरस्कार दिए जाएंगे तथा महोत्सव में ग्रुप फॉग डांस, ग्रुप फॉग सॉन्ग, पाइट्री राइटिंग, स्टोरी राइटिंग इनोवेशन ट्रैक फोक म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।

विश्राम कुमार मीणा।

जलवायु परिवर्तन के भौगोलिक, आर्थिक और पर्यावरणीय पहलुओं पर डाला प्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र, कुरुक्षेत्र में जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभाव विषय पर एक ज्ञानवर्धक पैनल डिस्कशन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीपदान के साथ हुआ, जिसमें डॉ. भगवान सिंह चौधरी, अध्यक्ष, भूभौतिकी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, डॉ. एम. एस. जगलान, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, भूगोल विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, डॉ. हरदीप राय शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, पर्यावरण अध्ययन संस्थान, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, डॉ. किरण लांबा, एसोसिएट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर सुरेश कुमार सोनी तथा शिक्षा अधिकारी जीतेंदर कुमार दास ने अपना सम्बोधन दिया। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए जलवायु परिवर्तन के वैज्ञानिक, भौगोलिक, आर्थिक और पर्यावरणीय पहलु ओंपर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. भगवान सिंह चौधरी ने कार्यक्रम की शुरूआत महात्मा गांधी के प्रेरक वचन से की। प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर सुरेश कुमार सोनी ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए प्लास्टिक उपयोग के दुष्प्रभावों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक न केवल पर्यावरण बल्कि जीव-जंतुओं के लिए भी अत्यंत हानिकारक है।

- जलवायु परिवर्तन विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

कुरुक्षेत्र। विजेताओं को सम्मानित करते अतिथिगण।

रोटरी व्हील समाज में सहयोग और सेवा की भावना का जीवंत प्रतीक

शाहबाद। रोटरी क्लब शाहबाद मारकंडा द्वारा समाज सेवा और जनजागरूकता के प्रतीक रोटरी व्हील का दूसरा स्मारक लैंडमार्क चौक, लाडवा रोड, शाहाबाद मारकण्डा पर स्थापित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत रोटरी प्रधान रो. डॉ. आर. एस. घुम्मन ने की। उन्होंने कहा कि रोटरी व्हील केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि सेवा, एकता और मानवता का संदेश देने वाला चिह्न है। उन्होंने बताया कि यह एक संगठनात्मक प्रतीक है जो लोगों को समाजसेवा के कार्यों के लिए प्रेरित करता है। व्हील का घूमना निरंतर प्रगति और आगे बढ़ने की भावना को दर्शाता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. गुलशन क्वात्रा ने कहा कि रोटरी संगठन पूरे विश्व में जरूरतमंदों की मदद के लिए काम करता है। उन्होंने बताया कि रोटरी क्लब शाहाबाद मारकण्डा ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और जनकल्याण के क्षेत्र में हमेशा बढ़-चढ़कर योगदान दिया है। विशेष अतिथि और रोटरी व्हील चेयरमैन रो. रूपिंदर सिंह ठाकुर ने कहा कि रोटरी व्हील समाज में सहयोग और सेवा की भावना का जीवंत प्रतीक है। इस अवसर पर वीरेन्द्र ठकुराल, एस. सी. सिंगला, उमाकांत सिंघल, सुरेश गोगिया, आर. डी. गुप्ता, राज कुमार गर्ग, परवीन ठकराल, दीपक कक्कड़, दीपक गांधी, महेश गोयल, डॉ. उमेश गुप्ता, गौरव क्वात्रा, अनु अग्रवाल, मोहसिन खान आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम | श्रीराम हनुमान रामलीला समिति का किया नागरिक अभिनंदन

रावण का किरदार निभाने वाले बृज मोहन शर्मा ने रामलीला मंचन में सुधार लाने के लिए सुझाव दिए

उत्तर भारतीय कार्यक्रम में सम्मानित होना शहर के लिए गर्व का विषय : विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लाडवा

शहर की धार्मिक व सांस्कृतिक मंचीय संस्था श्रीराम हनुमान रामलीला समिति का नागरिक अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम संयोजक विकास सिंघल ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रीराम हनुमान रामलीला समिति को उत्तर भारतीय कार्यक्रम में हरियाणा की तीन रामलीलाओं में सम्मानित करना न केवल लाडवा के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र व जिला कुरुक्षेत्र के लिए गर्व की बात है और लाडवा शहर का नाम रोशन करने पर शहर की विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं द्वारा बाबा बंसी वाला वृद्धआश्रम में नागरिक अभिनंदन कर समिति के सदस्यों का सम्मान किया गया। समिति के मंच सचिव व राम का पात्र निभाने वाले अमित सिंघल ने चंडीगढ़ में आयोजित सम्मान समारोह के बारे में विस्तार से बताया वहीं समिति के मंच प्रबंधक राकेश गर्ग बबली ने रामलीला मंचन के समय मंच की सात्विकता के कई उदाहरण और उनके परिणाम विस्तार से बताये। पिछले कई वर्षों से रावण का बेहतरीन किरदार निभाने वाले बृज मोहन शर्मा ने सम्बोधित करते हुए कहा कि शहर की रामलीला संस्था को इस तरह सम्मान मिलना वास्तव में सभी कलाकारों के लिए गर्व की बात है और साथ ही उन्होने भविष्य में रामलीला मंचन में और सुधार लाने के लिए अनेक सकारात्मक सुझाव भी दिए।

लाडवा। श्रीराम हनुमान राम लीला समिति को सम्मानित करते वृद्ध आश्रम के प्रधान विकास सिंगला व सदस्य।

ये संस्थाएं रही उपस्थित

रोटरी क्लब, बाबा बंसी वाला वृद्धआश्रम, रोट्रैक्ट क्लब, पंजाबी सभा, श्री अग्रवाल सभा, श्री कृष्ण गौशाला सोसाइटी, भारत विकास परिषद, युथ स्पोर्ट्स एसोसिएशन, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरिय विश्वविद्यालय, पीड़ति गौवंश उपचार सेवा समिति, इनरव्हील क्लब, महिला अग्रवाल सभा, युवा अग्रवाल सभा, पतंजलि योग समिति, महृषि कश्यप सभा, माता वैष्णो देवी इंटरनेशनल फाउंडेशन, आर्य समाज सभा, श्री शनि शिला मंदिर समिति, श्रीगणेश उत्सव मण्डल, जय ज्वाला जी सेवा मंडल, अंजनी पुत्र सेवा मंडल, पैराडाइज एसोसिएशन, खाटू श्याम मित्र मंडल, यूथ हॉस्टलस एसोसिएशन व माता शाकुम्भरी देवी मंदिर सेवा समिति।

सदस्यों को पहनाए पटके

समारोह में सर्वप्रथम सभी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने समिति के चेयरमैन डॉ अशोक निर्मल व निदेशक कुश गर्ग को चंडीगढ़ से प्राप्त लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड और स्वर्गीय रमेश पाहवा जी के पौत्र वंश पाहवा को उनका सम्मान सौंपा गया और फिर सभी संस्थाओं द्वारा समिति के सदस्यों को पटके पहनाकर, मालाएं पहना कर, स्मृति चिन्ह प्रदान करके व अन्य कई तरीको से सम्मानित किया गया। समारोह के अंत में समिति के प्रधान राजेश वर्मा ने सभी संस्थाओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि लाडवा की सभी संस्थाओं का इस तरह आपस में समन्वय एक आदर्श स्थापित करते है जिसके लिए वो सभी के प्रति कृतज्ञ हैं।

खबर संक्षेप

हेरोइन तस्करी के मामले में आरोपी काबू

अंबाला। थाना अंबाला शहर के कालका चौक के पास से नशा तस्करी के मामले में सीआईए-1 ने आरोपी घोलू उर्फ निखिल को 30 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी को पुलिस ने दो दिन के रिमांड पर लिया है। सीआईए-1 के हरजिंद्र सिंह ने बताया कि 31 अक्तूबर 2025 को पुलिस दल को सूचना मिली थी कि आरोपी मादक पदार्थों की तस्करी का कार्य करता है। पुलिस ने कालका चौक पर नाकाबंदी कर आरोपी को काबू किया था। तलाशी लेने पर उससे 30 ग्राम हेरोइन बरामद की। पहचान के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

धमकी देने के मामले में आरोपित गिरफ्तार

अंबाला। थाना नग्गल में दर्ज मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने आरोपी परमजीत सिंह को गिरफ्तार किया है। गांव तर के राजपाल ने 31 अक्तूबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 13 अक्तूबर 2025 को गांव तर चौड़मस्तपुर में आरोपी परमजीत सिंह व अन्य ने उसका रास्ता रोककर मारपीट कर चोट पहुंचाते हुए जान से मारने की धमकी दी है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

पिहोवा: प्रतियोगिताओं में अव्वल छात्र सम्मानित

पिहोवा। श्रीपंचायती अखाड़ा महानिवार्णी द्वारा भारतीय शिक्षा समिति के तत्वाधान में संचालित बाबा श्रवणनाथ स्कूल में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में समिति के सचिव भूषण गौतम ने हिस्सा लेकर बच्चों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने रियासतों के एकीकरण में जो भूमिका निभाई।

हरियाणा दिवस पर कलाकारों ने मचाया धमाल, हरियाणवी नृत्य पर जमकर बजी तालियां

पंचकूला से राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया

पलवल के कलाकारों ने ढोल नगाड़े के साथ बीन के वादन से हरियाणवी संस्कृति की तस्वीर पेश की

जिला स्तरीय कार्यक्रम में सांस्कृतिक उत्सव के तहत युवाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बेहतरीन प्रस्तुतियां दीं। इसमें हरियाणा की सांस्कृतिक झलक देखने को मिली। सभी ने तालियां बजाकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन भी किया। दर्शकों ने रंगारंग प्रस्तुतियां का आनंद लिया ।

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

हरियाणा दिवस के अवसर पर शनिवार को अंबाला शहर के पंचायत भवन के सभागार में जिला स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव भव्य तरीके से आयोजित हुआ। कार्यक्रम में उपायुक्त अजय सिंह तोमर, भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा, मेयर शैलजा सचदेवा, पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी, जिला परिषद् के चेयरमैन सरदार मक्खन सिंह लबाना, सीईओ जिला परिषद् गगनदीप, एसडीएम दर्शन कुमार, एसडीएम शिवजीत भारती, नगराधीश अभिषेक गर्ग विशेष रूप से मौजूद रहें। इस अवसर पर पंचकूला से राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया, इस कार्यक्रम में

■ राज्यपाल ने हरियाणा दिवस पर प्रदेशवासियों को संदेश दिया

माननीय राज्यपाल ने हरियाणा दिवस पर प्रदेशवासियों को अपना शुभ संदेश दिया व जिसे उपस्थित सभी ने देखा व सुना।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में सांस्कृतिक उत्सव के तहत युवाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बेहतरीन प्रस्तुतियां दी गई। इसमें हरियाणा की सांस्कृतिक झलक देखने को मिली। उपस्थित सभी ने तालियां बजाकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन भी किया। पंचायत भवन के प्रांगण में पलवल से आए कलाकारों ने ढोल नगाड़े, बीन से हरियाणवी संस्कृति से ओतप्रोत प्रस्तुतियां दी। इसके साथ-साथ हरियाणा दिवस पर शिक्षा विभाग के सौजन्य से पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी करवाया गया, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा चित्रकला से संबंधित अनूठी चित्रकला का प्रदर्शन किया। उपायुक्त के साथ-साथ अन्य गणमान्य लोगों ने यहां पर लगाई गई चित्रकला से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया गया।

कार्यक्रम में सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा तैयार की गई फिल्म को भी दिखाया गया। यहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ अन्य प्रस्तुति देने वाले प्रतिभागियों को भी सम्मानित करने का काम किया गया। जिला प्रशासन द्वारा फॉक ग्रुप गीत में अंबाला शहर के एसए जैन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा पहला स्थान, पीकेआर जैन वाटिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ने दूसरा तथा राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पुलिस लाइन के विद्यार्थियों ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

अंबाला हरियाणवी नृत्य पेश करते कलाकार व प्रस्तुतियों पर झूमते कलाकार व अन्य।

हरियाणा दिवसः नगाड़ा बजाते पूर्व विधायक

विद्यार्थियों को नकद राशि के चेक देकर प्रोत्साहित किया

इसी प्रकार फॉक ग्रुप डांस में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामपुर सरसेहड़ी अंबाला छावनी के विद्यार्थियों ने पहला स्थान, पीएम श्री राजकीय गल्र्ज वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शहजादपुर के विद्यार्थियों ने दूसरा तथा राजकीय गल्र्ज वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बब्याल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार चित्रकला प्रतियोगिता में एसए जैन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अंबाला शहर के विद्यार्थी अनुज प्रिंस ने पहला, राजकीय गर्ल्स वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पुलिस लाइन अंला शहर के विद्यार्थी हरमन कश्यप ने दूसरा तथा राजकीय गल्र्ज वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रेम नगर अंबाला शहर के विद्यार्थी महेश कुमार ने तीसरा स्थान हासिल किया। इन सभी विद्यार्थियों को नकद राशि के चेक देकर प्रोत्साहित भी किया। कलाकार गौरव घाघरी द्वारा हरियाणवी गीत के साथ-साथ देश भक्ति गीत व अन्य गीतों की बेहतरीन प्रस्तुतियां दी। जिला सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग के कलाकार लव कुमार ने भी हरियाणवी गीतों के साथ-साथ हरियाणा किस प्रकार हर क्षेत्र में तेजी से बढ रहा है उस पर आधारित गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में आए गणमान्य लोगों को जिला प्रशासन द्वारा शॉल व स्मृति चिह्न भेंट कर उनका भी भव्य अभिनंदन किया गया। उपायुक्त ने मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेशवासियों को हरियाणा दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 1 नवंबर 1966 को हरियाणा प्रदेश का गठन हुआ था। गठन के बाद से हरियाणा ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। यहां के लोगों ने न केवल देश में बल्कि विश्व स्तर पर भी अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर नई पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के युवाओं ने खेलों में शानदार प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। ओलंपिक जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हरियाणा के खिलाड़ियों ने अपने पदक प्रदर्शन से पूरे भारत का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने आगे कहा कि कृषि क्षेत्र में भी हरियाणा का योगदान देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां के किसान गेहूं, चावल और अन्य फसलों का भरपूर उत्पादन कर भारत को अन्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रहे हैं। साथ ही, औद्योगिक और शैक्षणिक क्षेत्र में भी हरियाणा निरंतर प्रगति कर रहा है। इस मौके पर एसडीएम दर्शन कुमार, एसडीएम नारायणगढ़ शिवजीत भारती, नगराधीश अभिषेक गर्ग, जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा, डीआईपीआरओ धर्मेंद्र कुमार, एडीआईओ शुभम जोधा, डीएसपी विजय कुमार, कार्यकारी जिला खेल अधिकारी राम स्वरूप भी मौजूद रहे।

रात में काटी जा रही थी पंचायती जमीन से लकड़ी, ग्रामीणों की सूझबूझ से टली वारदात

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

साहा कस्बे के गांव मलिकपुरा में देर रात पेड़ों की अवैध कटाई और चोरी का मामला सामने आया है। ग्रामीणों की सूझबूझ और समय पर दी गई सूचना से बड़ा नुकसान टल गया। पुलिस मौके पर पहुंची और मौके से चोरों द्वारा छोड़ी गई एक स्कॉर्पियो कार को कब्जे में ले लिया। शुक्रवार देर रात गांव मलिकपुरा के

■ स्कॉर्पियो कार व लकड़ी काटने के औजार छोड़कर चोर फरार

कुछ ग्रामीणों ने खेतों की ओर से लकड़ी काटने की आवाजें सुनीं। उन्हें शक हुआ कि कोई व्यक्ति चोरी से पेड़ काट रहा है। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और स्वयं भी मौके की ओर दौड़े। जैसे ही ग्रामीण और पुलिस वहां पहुंचे, चोर मौके से भाग निकले और काटे गए पेड़ों को वहीं छोड़ गए। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से गांव के आसपास अज्ञात लोगों की आवाजाही देखी जा रही थी। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर पुलिस न पहुंचती, तो संभव था कि बड़ी मात्रा में लकड़ी चोरी हो जाती।

आरोपी जल्द पकड़े जाएंगे

घटनास्थल पर पहुंचे साहा थाना के पुलिस अधिकारी जसवंत सिंह ने बताया कि उन्हें रात करीब 11 बजे सूचना मिली कि कुछ लोग खेतों में पेड़ काट रहे हैं। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। स्कॉर्पियो बरामद की गई है, जिसे कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि मौके से पेड़ों के कटे हुए हिस्से, आरे और अन्य उपकरण भी मिले हैं। प्राथमिक जांच में यह सामने आया है कि चोर संगठित तरीके से इलाके में पेड़ों की चोरी करने पहुंचे थे। पुलिस ने घटनास्थल की तस्वीरें ली हैं और वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर मालिक की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि वाहन का स्वामित्व और लोकेशन डेटा जांच के बाद स्पष्ट होगा, जिससे यह पता चलेगा कि उस समय वाहन किसके कब्जे में था। जसवंत सिंह ने बताया कि "मामले में आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच के बाद आरोपी जल्द गिरफ्तार किए जाएंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव के आसपास रात के समय पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए और अवैध लकड़ी कटाई पर सख्त कार्रवाई की जाए। इस तरह की घटनाएं न केवल पर्यावरण के लिए नुकसानदेह हैं।

अंबाला छावनी में भाजपा की कोर कमेटी की मीटिंग संपन्न, शक्ति प्रमुख नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

उर्जा, परिवहन अनिल विज की अगुवाई में भारतीय जनता पार्टी अंबाला छावनी कोर कमेटी की बैठक संपन्न हुई। इसमें अंबाला छावनी के सभी वार्डों और गांवों में शक्ति प्रमुखों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता ललता प्रसाद, संजीव सोनी, आशीष अग्रवाल, मदनलाल शर्मा, बीएस बिंद्रा, बलविंद्र सिंह, विपिन्न खन्ना, राजीव गुप्ता, हर्ष बिंद्रा, विजेंद्र चौहान, रवि बुद्धिराजा, प्रवेश शर्मा, विकास बहगल, बलित नागपाल मौजूद रहे। भाजपा ग्रामीण मंडल के अधीन वार्ड नंबर 1 से सचिन धीमान व रविंद्र सिंह को शक्ति प्रमुख चुना गया। इसी प्रकार वार्ड नंबर 2 से दीपक बख्शी को चुना गया, वार्ड नंबर 3 से प्रेम कुमार को, वार्ड नंबर 4 से अमरनाथ को, वार्ड नंबर 5 से डिम्पल राणा को, वार्ड नंबर 6 से उम्मेद सिंह को, वार्ड नंबर 7 से ओमप्रकाश भट्ट को शक्ति प्रमुख चुना गया है।

वार्ड-1 से सचिन व रविंद्र को मिली शक्ति प्रमुख की कमान

इसी प्रकार ग्रामीण मंडल के अधीन गांव जनेतपुर, टुंडली, मंडोर व खतौली से उद्यम सिंह को, पंजोखरा साहिब से वीरेंद्र सिंह को, गांव गरनाला, बरनाला व धनकौर से गुरविंद्र सिंह को, ब्राह्मण माजरा से अनिल शर्मा को और गांव बाड़ा से गुरप्रीत सिंह को शक्ति प्रमुख चुना गया। भाजपा महेशनगर मंडल के अधीन वार्ड नंबर 8 में मोंटी नागरा को शक्ति प्रमुख चुना गया। इसी प्रकार वार्ड नंबर 9 से राजीव जैन व नीरज शर्मा को, वार्ड नंबर 10 से महेंद्र नागरा को, वार्ड नंबर 22 से रोहताश को, वार्ड नंबर 13 से गुरविंद्र सिंह को, वार्ड नंबर 14 से अजय महाजन को, वार्ड नंबर 15 से महेश गुप्ता व सुनील चोपड़ा को, वार्ड नंबर 16 से विनीत गुप्ता को, वार्ड नंबर 17 से टीटू बंसल व अतुल जैन को तथा वार्ड नंबर 18 से विनय भूटानी को शक्ति प्रमुख चुना गया। भाजपा शास्त्री मंडल के अधीन वार्ड नंबर 19 से सुधीर (डिम्पी) को शक्ति प्रमुख चुना गया। इसी प्रकार 20 नंबर से स्वर्ण सिंह को, वार्ड नंबर 21 से त्रिलोचन सिंह को, वार्ड नंबर 22 से जंग बहादुर को, वार्ड नंबर 23 से श्रवण कुमार को तथा वार्ड नंबर 31 से ओमप्रकाश सुखीजा को शक्ति प्रमुख चुना गया। शास्त्री मंडल के अधीन आने वाले कैंटोनमेंट बोर्ड के वार्ड नंबर 6 से राजन गोसाई, वार्ड नंबर 7 से सन्नी तुली तथा वार्ड नंबर 8 से नीलम शर्मा को शक्ति प्रमुख चुना गया। इसी प्रकार भाजपा सदर मंडल के अधीन आने वाले वार्ड नंबर 24 से विजय धीमान को शक्ति प्रमुख नियुक्त किया गया जबकि वार्ड नंबर 25 से विकास सोनकर को, वार्ड नंबर 26 से रविंद्र बग्गा को, वार्ड नंबर 27 से करण अग्रवाल को, वार्ड नंबर 28 से ओमप्रकाश धीर को, वार्ड नंबर 29 से आशीष जायसवाल को, वार्ड नंबर 30 से राजू बिंद्रा को तथा वार्ड नंबर 32 से सुभाष शर्मा को शक्ति प्रमुख नियुक्त किया गया। इसी प्रकार सदर मंडल के अधीन आने वाले कैंटोनमेंट बोर्ड के वार्ड नंबर 1 से ललित कुमार को शक्ति प्रमुख चुना गया जबकि वार्ड नंबर 2 से राज कुमार राजा को, वार्ड नंबर 3 से अजय बवेजा को, वार्ड नंबर 4 से राजू बाली को तथा वार्ड नंबर 5 से अनुज यादव को शक्ति प्रमुख नियुक्त किया गया।

भव्यता के साथ संपन्न हुआ वैरागन सिद्धि जैन भूमि का अनुमोदना तिलक महोत्सव

■ एसएस जैन स्थानक में आयोजित हुआ कार्यक्रम

मुलाना। अनुमोदना तिलक महोत्सव के दौरान मौजूद जैन साध्वियां व सिद्धि जैन।

मुलाना। एसएस जैन स्थानक की पावन भूमि पर साध्वी रत्ना सुवृद्धि एवं साध्वी सात्विक के सान्निध्य में वैरागन सिद्धि जैन भूमि का संयम अनुमोदना तिलक महोत्सव अत्यंत भव्यता एवं धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे जिन्होंने वैरागन के संयम जीवन की अनुमोदना की व पुण्य अर्जित किया। समारोह का वातावरण भक्तिभाव एवं भावविभोर कर देने वाला रहा। साध्वी प्रमुखाओं के मंगल आशीर्वचन ने सभी के हृदयों को आलोकित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण एवं नवकार महामंत्र के साथ हुआ। तत्पश्चात श्रद्धालुओं ने वैरागन सिद्धि जैन भूमि को तिलक कर संयम जीवन के आरंभ की अनुमोदना की। इस अवसर पर एसएस जैन सभा के प्रवक्ता श्रीपाल जैन ने बताया कि 5 नवंबर को पावन चातुर्मास संपन्न हो रहा है। इस अवसर पर एसएस जैन स्थानक में चातुर्मास संपन्न समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसमें सभी तपस्वियों सहित गणमान्यों को सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन समाज के लिए गर्व का विषय है, क्योंकि किसी भी साधक का संयम जीवन में प्रवेश समस्त समाज के लिए प्रेरणास्रोत होता है। भक्तिमय माहौल में सम्पन्न इस आयोजन में साधु-साध्वियों, श्रावक-श्राविकाओं एवं दूर-दूर से आए जैन समाज के लोगों ने भाग लेकर इस ऐतिहासिक क्षण को साक्षी बनाया।

छात्रों को इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के बारे में करवाया अवगत

अंबाला। अंबाला छावनी स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर 2 में शनिवार को विद्यार्थियों के लिए "साइबर सुरक्षा जागरूकता" पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साइबर सैल प्रभारी फकीर चंद तथा साइबर एक्सपर्ट बबित मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।मुख्य अतिथियों ने विद्यार्थियों को इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग, साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया पर गोपनीयता की रक्षा, ऑनलाइन ठगी से सतर्कता तथा डिजिटल व्यवहार के नैतिक पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी।

■ साइबर सुरक्षा जागरूकता" पर विशेष व्याख्यान

विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे जिनका समाधान विशेषज्ञों ने सहज और उपयोगी ढंग से किया। विद्यालय के प्राचार्य हरिंद्र सिंह लांबा ने अपने संबोधन में कहा कि "इस डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अत्यंत आवश्यक विषय है। हमें तकनीक का उपयोग विवेकपूर्वक और जिम्मेदारी से करना चाहिए ताकि हम न केवल स्वयं सुरक्षित रहें बल्कि समाज में भी जागरूकता फैला सकें।" कार्यक्रम के अंत में उपप्राचार्य मनीष सेमवाल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि "यह सत्र विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध हुआ है। विद्यालय परिवार साइबर सेल अंबाला का आभारी है जिन्होंने विद्यार्थियों को व्यवहारिक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की स्नातकोत्तर शिक्षिका नूतन श्रीवास्तव द्वारा किया गया। अंत में विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा के नियमों का पालन करने और सुरक्षित डिजिटल नागरिक बनने की शपथ ली।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

सीक्रेट सुपरस्टार शो में 400 छात्रों ने दिखाया हुनर, प्रस्तुतियों से दर्शकों की लूटी वाहवाही, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र सम्मानित

बच्चों की ओर से प्रस्तुत की गई सभी प्रस्तुतियां एक से बढ़कर एक थी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला शहर के पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल के मिडिल विंग में अर्न्तसदनीय प्रतियोगिता को दर्शाता हुआ इंग्लिश शो "सीक्रेट सुपरस्टार" स्कूल ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इसमें चार सदन करेज ,ग्लोरी, स्ट्रेंथ व विजडम सदन के 400 विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ ई-लाइटनिंग और डीएव. गान की ध्वनि के साथ हुआ । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर डीएवी कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर डॉ. रमेश परमार पधारे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने कथन में कहा कि नैतिक मूल्य विद्यार्थियों के जीवन में विशेष महत्व रखते हैं , क्योंकि अनुशासन ,सहयोग,ईमानदारी, दया भाव वे नैतिक मूल्य हैं जो कि विद्यार्थी जीवन को सफल बनाने में अहम योगदान देते हैं । इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. विकास कोहली ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे बच्चे ही भावी देश के सुनागरिक हैं । उन्होंने कहा कि सामाजिक मूल्य एक आंतरिक गुण है प्रत्येक समाज में अपने कुछ आदर्श तथा लक्ष्य होते हैं। इन आदर्शों और लक्ष्यों को उसी दशा में पूरा किया जा सकता है जब आज के विद्यार्थी में कुछ निश्चित मापदंड निर्धारित किए जाएं। हमारा विद्यालय विद्यार्थियों में इन्हीं मापदंडों का समावेश करना सिखाता है। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय ,परिवारों और समाज को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना चाहिए, जहां बच्चे अपनी संस्कृति पर गर्व महसूस करें। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे बच्चों ने संचार कौशल पर बहुत ही अच्छे ढंग से प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया है।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया

बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई सभी प्रस्तुतियां एक से बढ़कर एक थी । ग्लोरी सदन के विद्यार्थियों ने मुख्य अतिथि के स्वागतार्थ हेतु स्वागत गीत प्रस्तुत किया। करेज सदन के विद्यार्थियों ने' "एजूकेशन इज दि मोस्ट पॉवरफुल वेपन" नामक नाटक प्रस्तुत किया। इसमें मुख्यतः करप्शन को दिखाया गया है कि एक अनपढ़ व्यक्ति कैसी-कैसी कठिनाइयों से जूझता है।अनपढ़ता की वजह से वह बहुत सारी समस्याओं से अवगत होता है। हार्मनी इमोशंस के अंतर्गत कैसे योगा के द्वारा मनुष्य आनंदित हो सकता है यह दिखाया गया। इस प्रस्तुति पर विद्यार्थियों का योगा बहुत ही प्रशंसनीय रहा। विद्यार्थियों ने 'नेचर्स क्लास रूम' पर लघु नाटक प्रस्तुत किया इसमें यह दिखाया कि प्रकृति हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऋतुओं का बदलना हमें धैर्य और समय के साथ चलना सिखाता है। पेड़, नदियां और धरती बिना किसी स्वार्थ के सबको निःस्वार्थ जीवन देती हैं। स्ट्रेंथ सदन के विद्यार्थियों इंडियन आर्मी फोर्स पर नृत्य प्रस्तुत किया। उन्होंने थल सेना ,जल सेना और पुलिस विभाग को आधार बनाते हुए अपनी प्रस्तुति दी। जिन्होंने उन वीर जवानों की याद दिलाई जो देश की रक्षा के लिए सीमाओं पर डटे रहते हैं और पुलिस दिन-रात जनता की सुरक्षा के लिए तत्पर रहती है। छठी प्रस्तुति में 'बैक टू रूटस' को आधार बनाकर एक नाटक प्रस्तुत किया।

नाटक प्रस्तुत किया: उन्होंने दिखाया कि आज की पीढ़ी तेजी से आधुनिक सोच और वैश्वीकरण के प्रभाव से आगे बढ़ रही है लेकिन इस प्रगति के साथ-साथ हमारी परंपराएं संस्कार और सांस्कृतिक जड़े धीरे-धीरे पीछे छूटती जा रही है। विजडम हाउस के विद्यार्थियों माइम के द्वारा यह दिखाया है कि पेड़ हमारे मित्र होते हैं। अमेजिंग सिविक सेंस' के द्वारा हमारे कर्तव्य और अधिकार क्या हैं। समाज के प्रति हमारा क्या उत्तरदायित्व है। इन सबको एक नाटक के रूप में प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 400 विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया।

कुछ शब्दों तक सिमटी किशोर-युवाओं की बातचीत

घर, ऑफिस, कॉलेज हो या कोई पार्टी जहां कहीं भी किशोर या युवा आपस में बातचीत करते हैं, तो अधिकतर अंग्रेजी के कुछ शब्दों तक ही सिमटे रहते हैं। मातृभाषा संस्कार और क्षेत्रीयता का सोंधापन उसमें से नदारद रहता है। नई तकनीकी का हस्तक्षेप, विदेशी जीवनशैली और आधुनिकता के अंधानुकरण जैसी कई वजहें इसके लिए जिम्मेदार हैं। इससे जुड़े तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

एक जमाना था, जब संयुक्त परिवारों में रहने वाले बच्चे किशोरावस्था में ही ऐसे मुहावरे और कहावतें दोहराने लगते थे, जो आज के किशोरों के मुंह से सुनने को मिलें तो निश्चित रूप से आश्चर्य हो- जैसे कि 'नहले पे दहला' और 'सौ सुनार की एक लुहार की।' ये कहावतें या मुहावरे अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक किशोरों के मुंह से सुनना आश्चर्य की बात नहीं होती थी। लेकिन अगर आज की बात करें तो किशोरों के पास अंग्रेजी के कुछ गिने-चुने शब्द ही होते हैं, जिन्हें वे आपसी संवाद के दौरान अकसर दोहराते रहते हैं। मसलन- 'ओके, रियली, यू नो, वाव और ट्रस्ट मी।' जैसे बमुश्किल एक दर्जन अंग्रेजी के शब्द हैं, जो विशेषकर आज के शहरी बच्चे अकसर आपस में बातचीत के दौरान दोहराते रहते हैं।

मातृभाषा से बढ़ती दूरी: आज पूरे भारत में सभी क्षेत्रों की मातृभाषाओं पर यह संकट देखने को मिल रहा है। आज चाहे दक्षिण भारत हो या उत्तर, मध्य हो या पश्चिम। शहरी क्षेत्र में कहीं भी बच्चे खासकर किशोर और युवा अपनी मातृभाषा के मुहावरों, कहावतों और लोकोक्तियों के इस्तेमाल में जरा भी सहज नहीं दिखते हैं।

आजकल के किशोर और नौजवान बात-बात में 'ब्रो', 'दैट्स', 'लिट' और 'रियली यार' जैसे अंग्रेजी के शब्द तो बार-बार दोहराते हैं, लेकिन उनकी रोजमर्रा की जुबान में खांटी मातृभाषा के शब्द ढूंढ़े नहीं मिलते। वास्तव में हमारी नई पीढ़ी की वोकेबलरी किसी भाषायी विकास की नहीं बल्कि दिनों-दिन बढ़ रही सांस्कृतिक दूरी की कहानी कहती है और यह दूरी उस समय से बढ़नी शुरू हुई है, जब हम सदियों की अपनी गुलाम मानसिकता के मनोवैज्ञानिक दबाव में अपनी मातृभाषा को अंग्रेजी के सामने दरिद्र मान लेते हैं और इसी भावना के चलते अपनी रोजमर्रा की बातचीत में टूटे-फूटे अंग्रेजी के शब्द बार-बार दोहराकर अपने को मॉडर्न दिखाने की कोशिश करते हैं।

मोबाइल की लत का असर: आजकल घरों में मां-बाप के साथ बोली जाने वाली मातृभाषा को किशोर और युवा आपस में बोलना ओल्ड फैशन समझते हैं। इसलिए वे हर जगह अंग्रेजी के कुछ शब्दों से काम चलाते रहते हैं। सोशल मीडिया ने विशेषकर मोबाइल की लत लगने के बाद इस आदत को और पक्का बना दिया है। वास्तव में सोशल मीडिया का कुछ वैश्विक प्रभाव नई पीढ़ी पर इस कदर पड़ा है कि अंग्रेजी के शब्द अपनी रोजमर्रा की बातचीत में बोलना ग्लैमर लगने लगा है। जबकि हम सब जानते हैं कि ये बहुतायत में इस्तेमाल हो रहे अंग्रेजी के टूटे-फूटे शब्द अपनी अभिव्यक्ति में किसी तरह की भावना नहीं जगाते बल्कि बस स्टाइल बनकर रह गए हैं।

भावनात्मक गहराई से बढ़ी दूरी: अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक बातचीत में इस्तेमाल होने वाली कोई एक कहावत या कोई एक देसी मुहावरा हमारे दुखी और परेशान मन की सारी कहानी कह देता था। लेकिन आज बस 'मूड ऑफ' कह देने भर से काम चल जाता है। वास्तव में यह चेतावनी है कि अगर हम जल्दी चेते नहीं, तो हमारी मजबूत अभिव्यक्ति के देसी शब्द खो जाएंगे, तब हमें कहना ही नहीं, किसी के कहे हुए को समझना भी आसान नहीं होगा। आज सिर्फ कॉलेज, सोशल मीडिया में ही नहीं, दफ्तरों में भी लोगों के बीच अकसर अंगुलियों में गिने जाने वाले कुछ शब्दों से पूरी बातचीत कर लेने की कोशिश देखी जाती है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि चाहे सोशल मीडिया हो, चाहे लोगों के बीच निजी संवाद हो या सार्वजनिक बतकही ही क्यों न हो? बस थोड़े से ही शब्द हमारे इर्द-गिर्द गूंजते रहते हैं। आजकल बातचीत में जरा भी ठहराव या भावनाओं की गहराई देखने को नहीं मिलती। 'टू द प्वाइंट' कहकर लोग तेजी से सतहीपन को सही ठहराने की कोशिश करते रहते हैं।

एक जमाना था, जब लोग आपस में बातचीत में रुचि लेते थे, लेकिन आज तो बस 'रिप्लाई' करते हैं। वास्तव में यह फर्क भाषा के विकास का नहीं, मातृभाषा से बढ़ी हुई दूरी का परिचायक है। आज के किशोरों और हाल में जवान हुए कितने युवाओं के मुंह से आपने 'घर की मुर्गी दाल बराबर' या 'नाच न आवे आंगन टेढ़ा' जैसे मुहावरे-लोकोक्तियां सुनी हैं? जबकि एक-डेढ़ दशक पहले युवाओं के बीच इस तरह के मुहावरे बातचीत का हिस्सा होते थे। ये शब्द या ये मुहावरे, खालिस बातचीत नहीं होते, ये हमारे बाप-दादाओं की संस्कृति को हम तक पहुंचने का जरिया होते हैं, जो अब लगातार खत्म हो रहे हैं। आज के युवा और किशोर अगर ये शब्द, शब्दावलियां, मुहावरे तथा कहावतों से दूर हैं, तो यह दूरी यहीं तक सीमित नहीं है। इनकी यह दूरी लगातार अपनी विरासत, संस्कृति और मातृभाषा से भी हो रही है। आज की पीढ़ी 'टेकन फॉर ग्रांटेड', 'कर्मा हिट्स बैक' या 'दैट्स हाउ इट वर्क्स' जैसे विदेशी वाक्य दोहराती है, जो कि निरा कोरे शब्द होते हैं। इनमें जरा भी भावनात्मक गहराई देखने को नहीं मिलती।

शॉर्टकट्स-इमोजी का बढ़ा ट्रेंड: वास्तव में मोबाइल और इंटरनेट ने संवाद को 'फास्ट फूड' में बदल दिया है। जल्दी लिखो, जल्दी भेजो, जल्दी भूलो, यही सब देखने को मिल रहा है। अब लोग 'थैंक यू' भी पूरा नहीं लिखते बल्कि 'टीएचएक्स' लिखकर काम चलना चाहते हैं। 'क्या हाल है' की जगह अब नई पीढ़ी सिर्फ 'एसयूपी' लिखकर अपने को कूल समझती है। वास्तव में नई पीढ़ी अब इस कदर शॉर्टकट की भाषा बोल रही है कि वह अपनी आधी से ज्यादा अभिव्यक्तियों को इमोजियों के हवाले कर देती है और उनके विचार तो बस स्टेटस अपडेट तक सीमित होकर रह गए हैं। यही वजह है कि आज युवा पीढ़ी में भाषा का अभ्यास और शब्दों की संवेदना दोनो का ही घोर अभाव दिखता है।

हमारे युवाओं और किशोरों की यह नई शब्दावली, परिवार और लोक-संस्कृति के छीजने का भी परिणाम है। इसलिए हमें बहुत जल्दी सचेत हो जाना चाहिए और यह दोहरा लेना चाहिए कि भाषा का पतन शब्दों का पतन नहीं, विचारों का पतन होता है। इसलिए जितना जल्दी हो, हमें अपनी संस्कृति और सभ्यता को अगर जीवंत बनाए रखना है, तो अपनी मातृभाषा को समृद्ध बनाना होगा, सिर्फ पढ़ने के मामले में ही नहीं बल्कि रोजमर्रा के संवाद में भी। *

आधुनिक जीवनशैली की आपा-धापी और आर्थिक संसाधन जुटाने की जद्दोजहद में अधिकांश युवा, अपने पैरेंट्स से दूर रहने को मजबूर रहते हैं, उनकी केयर नहीं कर पाते हैं। उनको भी इस बात का मलाल होता है। ऐसे में समझदारी इसी में है कि एक संतुलन बनाते हुए अपने बुजुर्ग पैरेंट्स की देखभाल की जाए।

जीवन की सांझ में पैरेंट्स महसूस ना करें अकेलापन

दायित्व / डॉ. मोनिका शर्मा

हाल ही में दिल्ली के एक युवक की इमोशनल पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई। इस पोस्ट में लिखा गया था कि वह देर रात 3:30 बजे अस्पताल के बाहर अपनी कार में बैठा है और लगभग 36 घंटे से सोया नहीं है। उसके पिता को दिल का दौरा पड़ा है। वह हालात को संभालने की कोशिश कर रहा है। उसे यह भी अफसोस है कि वह नौकरी के कारण परिवार से दूर हो गया है। अपने माता-पिता के साथ समय नहीं बिता पाया। माता-पिता को वक्त नहीं दे पाया। एक बेटा होने में असफल रहा। युवक ने पिता को हार्ट अटैक आने के बाद दुखी मन से बाद खुद को 'नाकाम बेटा' बताया। असल में बीमारी से जूझते पिता को देख लिखी गई भावुक बातों वाली यह पोस्ट कितने ही युवाओं के लिए थोड़ा ठहरकर सोचने की बात लिए है। ये शब्द अपनों के साथ वक्त बिताने की अहमियत समझाते हैं। समय रहते अपने माता-पिता को समय देने की एक मानवीय चेतावनी सी लिए हैं।

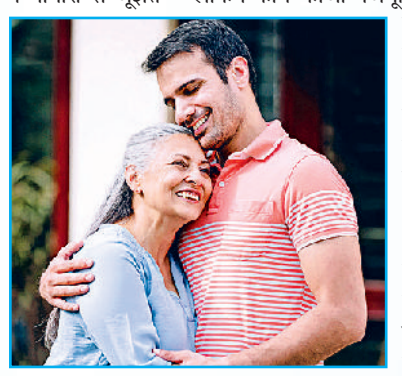

बढ़ने लगती हैं कई चिंताएं: बच्चों की जिंदगी संवारने के लिए अपना जीवन जीना भूल जाने वाले पैरेंट्स थके शरीर और टूटते मन के इस दौर में उनका इंतजार करते रहते हैं। अकेलेपन के घेरे में आ जाते हैं। जाने कब क्या हो जाए का तनाव और सेफ्टी से जुड़ी चिंताएं उन्हें हर पल परेशान करती हैं। सेहत से जुड़ी परेशानी में बिल्कुल ही टूट जाते हैं। उलझाती मनःस्थिति वाली ऐसी बातों के चलते हालिया वर्षों में बुजुर्गों में सुसाइड का आंकड़ा भी बढ़ा है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों के मुताबिक वृद्धावस्था में अकेलापन, बुजुर्गों की समय से पहले जान जाने का अहम कारण है। एक निश्चित उम्र के बाद इमोशनल और फिजिकल रूप से अकेलेपन को झेलना इंसान के लिए तकलीफदेह होता है। उम्रदराज लोगों के मामले में तो यह बहुत बड़ी समस्या बन गई है।

अपराधबोध तले दबता मन: यह सच है कि आज के समय में करियर बनाने और जरूरतें जुटाने में लगे युवाओं की मुश्किलें भी कम नहीं हैं। आज के कट थ्रॉट कॉम्पिटीशन में डटे रहना कुछ भी सोचने का समय नहीं देता। अपनों को भी याद करने का वक्त नहीं मिलता। इन हालातों में मन अपराधबोध का भी शिकार बनता है। नेशनल अलायंस फॉर केयर गिविंग और एएआरपी की रिपोर्ट के मुताबिक 47 प्रतिशत लोग अपने माता-पिता की चिंता में भावनात्मक रूप से टूटने लगते हैं। बड़ों के अकेले पड़ जाने की पीड़ा को बच्चों का मन भी समझता है। लेकिन काम-काजी मजबूरियों के कारण पैरेंट्स से दूर रहने वाले लोग भी जानते हैं कि उनके माता-पिता को उनकी देखभाल की जरूरत है। ऐसे में ठहराव की राह खुद ही चुननी होगी। आपा-धापी में अपने अहसासों को बचाने के लिए युवाओं को एक संतुलन तो साधना होगा।

देर ना हो जाए: अपने बुजुर्ग पैरेंट्स से जुड़े रहने के मोर्चे पर समय की टिक-टिक को सुनना भी जरूरी है। वक्त निकल जाने के बाद कुछ नहीं किया जा सकता। जिंदगी भर के लिए एक कसक मन में रह जाती है। देखा जाए तो यह एक रिश्ते को निभाने की बात भर नहीं। उम्रदराज माता-पिता की देखभाल एक मानवीय जिम्मेदारी भी है। सो दूर बैठे केवल महंगे मोल वाली चीजें भेजकर मन को तसल्ली देने के रास्ते ना निकालें। ना भूलें, जीवन की सांझ में अपने बच्चों के इमोशनल सपोर्ट की बुजुर्ग अभिभावकों को सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इसलिए जितना अधिक संभव हो, उनके साथ वक्त गुजारें, उनका ध्यान रखें। *

अपनी बात और भावनाएं दूसरों तक पहुंचाने के लिए शब्दों की जरूरत पड़ती है। लेकिन शब्दों से भी गहन अभिव्यक्ति मौन की होती है। मौन से हमें अंतस की भी सहज अनुभूति हो जाती है।

आत्मानुभूति का द्वार मौन

आत्मचिंतन / रश्मि वैभव गर्ग

अभिव्यक्ति का सहज माध्यम हैं- शब्द। लेखन हो या जीवन शब्दों से ही अभिव्यक्त होता है। शब्दों की यात्रा ही, जीवन को गतिशील बनाए रखती है। शब्द न होते तो हम मौन को भी परिभाषित नहीं कर पाते। शब्दों की ध्वनि ही जीवन को गुंजायमान रखती है। शब्दों का अर्थ के साथ, लहजा भी हमारे भावों को दर्शाता है। वास्तव में अभिव्यक्ति के दो ही माध्यम हैं। एक तो शब्द, दूसरा भाव। शब्दों का संसार तो विस्तृत है ही, लेकिन शब्दों से परे भी एक दुनिया होती है, वो है मौन। मौन, वो भी व्यक्त कर देता है, जो शब्द भी व्यक्त नहीं कर पाते हैं।

अव्यक्त को करता है व्यक्त: मौन एक साधना है। इसके विविध रूप हैं। मौन कभी शब्दों का विराम है तो कभी भावों की गहन अभिव्यक्ति है। कभी मौन रोष अभिव्यक्त करता है, तो कभी अगाध प्रेम की अभिव्यक्ति। मौन कभी शब्दों की विवशता भी प्रकट करता है। कभी-कभी शब्द हमारी अनुभूति को व्यक्त ही नहीं कर पाते, उसे मौन व्यक्त कर देता है। शब्द, भावों की गूंज है तो मौन भावों की मूक अभिव्यक्ति है। किसी ने क्या खूब कहा है कि स्पीच इज सिल्वर, साइलेंस इज गोल्ड। सचमुच बोलना चांदी के समान है तो चुप रहना स्वर्ण के तुल्य। कभी ऐसा भी होता कि हम कुछ बोलना चाहते हैं, लेकिन किसी कारणवश बोल नहीं पाते हैं, फिर सोचते हैं कि न बोलना ही श्रेयष्कर रहा।

आत्मसंयम का परिचायक: मौन, अभिव्यक्ति का श्रेष्ठतम माध्यम है। बशर्ते कोई समझने वाला हो। सामाजिक जीवन में संवादरहित अभिव्यक्ति एक गहरा प्रभाव छोड़ती है। चुप रहना भी एक विजय है। अपने शब्दों को विराम देना एक आत्मसंयम है। इस आत्मसंयम को आत्मसात करना हमारी जीत है। बाहरी मौन का संयम रखते हुए, आंतरिक मौन साधना को पाना जीवन दर्शन है। बाहरी मौन जीवन का आनंद है, आंतरिक मौन आत्मा का आनंद है। शब्दों का मौन लौकिक रंग है, आंतरिक मौन, आलौकिक रंग है। आंतरिक मौन यानी सब इच्छाओं की समाप्ति। जो अत्यंत दुष्कर है, लेकिन दुरूह नहीं। आंतरिक मौन जीवन को पूर्ण कर देता है। उतना ही पूर्ण जितना ईश्वर। तृष्णाओं की समाप्ति ही ईश्वर से मिलने का द्वार खोलती है। स्वयं से साक्षात्कार ही ईश्वर से मिलना है, वो तब ही संभव है, जब हम बाहरी व्यक्ति और वस्तुओं को विराम दें, और आंतरिक मौन को धारण करें।

मिलता है आलौकिक आनंद: हर इंसान के अंदर आध्यात्मिक अनुभूति होती है। जैसे पानी में कंकड़ फेंकते हैं तो लहर उठती है, वैसे ही हर आत्मा में अध्यात्म की चेतना होती है, क्योंकि चेतन का स्वभाव ही आत्मतत्व की खोज है। जिसका क्षणिक आभास हम जब-तब करते रहते हैं, लेकिन जब यह आत्मतत्व चिरस्थाई हो जाता है, तो असल आनंद प्राप्त होता है। बाहरी क्रियाएं विचलित करती हैं। आंतरिक मौन, लोक में रहकर आलौकिक सुख प्रदान करता है। स्वयं से स्वयं को ढूंढ़ना ही आंतरिक मौन है। वही ईश्वर से साक्षात्कार है। आत्मा में ही परमात्मा का वास होता है। आंतरिक मौन सृष्टि का अनहद नाद है, जिसे सिर्फ महसूस किया जा सकता है।

संसार में रहकर संसार से विरक्ति सबसे कठिन कार्य है। आसक्तियां ही सांसारिक कार्यों को फलीभूत करवाती हैं। जीवन का द्वैत ही यही है कि यदि अध्यात्म को अपनाते हैं तो कर्तव्यों से विमुख हो जाते हैं और कर्तव्यों का निर्वाह, बिना आसक्तियों के होता ही नहीं। इसी झंझावात में जीवन-यापन हो जाता है। वास्तविकता यही है कि हम दो दुनिया में जीते हैं। बाहरी दुनिया जो कर्मशील दुनिया है, जहां हम अपना किरदार निभाने के लिए बाध्य हैं। वो हमें थोड़ी आसक्ति भी देती है। आसक्त होना लाजिमी भी है, क्योंकि वही हमें कर्मशील बनाता है। दूसरी दुनिया है आत्मा का आनंद, जिसे हम स्वयं के भीतर अनुभव कर सकते हैं। ये हमारी अपनी खोज है, अपनी पूंजी है। इसे हम ही प्राप्त कर सकते हैं और इसे कोई हमसे छीन भी नहीं सकता। बाहरी क्रियाकलापों का विराम ही आंतरिक मौन है। बाहर कितना ही शोर हो यदि आंतरिक शांति है तो आप हर जगह विजयी होंगे। कहने का सार यही है कि अपने जीवन की सांसारिक यात्रा के विभिन्न पड़ावों को पूरा करते हुए भी अंतिम ध्येय अंतस का मौन ही होना चाहिए। *

दोहे / घमंडीलाल अग्रवाल

सूनी-सी दहलीज

सूना घर का आंगना, सूनी-सी दहलीज।
भूख, गरीबी बो चुकी, घर गरीब के बीज।।
जैसे को तैसा मिले, हो हमलावर पस्त।
वह भी फिर आश्वस्त-सा, हम भी फिर आश्वस्त।।
बदल रही है जिंदगी, बदल रहा है दौर।
निसदिन नई चुनौतियां, हर पल करिए गौर।।
पांव कुल्हाड़ी मार ली, गए संभलना भूल।
गड्ढा आया सामने, काहे गिरे फिजूल।।
गीता, रामायण पढ़ी, बांचे वेद, कुरान।
हो न सका इंसान तो, एक अदद इंसान।।
भरी भीड़ में हम हुए, बहुत अकेले आज।
अपनेपन का बांधते, किसके सिर पर ताज।
यदि कुपात्र को धन दिया, धन होगा बेकार।
ज्यादा खाकर वस्तुएं, जैसे तन बीमार।।
वाटर एटीएम लगे, सूखे सारे कूप।
परिवर्तन का मोहरा, खड़ा बदलकर रूप।।
फिसला करती हाथ से, पाई कोई चीज।
होते हैं संसार में, ऐसे कुछ नाचीज।।
भले विवेकानंद हों, अथवा गौतम बुद्ध।
कर्तव्यों से ही लड़े, अधिकारों के युद्ध।।

छोटी कहानी
सविता गोयल

तृप्ति

जहां आर्थिक रूप से कमजोर बड़े बेटे कमल ने कैंसर से पीड़ित पिता के इलाज में कोई कसर नहीं छोड़ी, वहीं छोटे बेटे विमल ने अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़े रखा। पिता के देहांत के बाद उनकी तेरहवीं में विमल ने जैसा दिखावा चाहा, वह अपमानजनक था। एक मर्मस्पर्शी कथा।

यह क्या भैया! ना आपने सारे नाते-रिश्तेदारों को न्यौता दिया और ना ही भोज का आयोजन सही तरीके से किया। समाज में क्या इज्जत रह जाएगी हमारी! अरे पैसे कम पड़ रहे थे तो एक बार बोल दिया होता हमसे। मैं ही कुछ इंतजाम कर देता। पापा की तेरहवीं पर मेरे ससुरजी भी आने वाले हैं। वो क्या सोचेंगे, उनके दामाद ने अपने पिता की तेरहवीं भी ढंग से नहीं की। आप सबको तो पता ही है, वो कितने बड़े आदमी हैं। मेरी क्या इज्जत रह जाएगी उनके सामने?' कमल का छोटा भाई विमल अपनी ही रौब में बोलता जा रहा था।

मनोहरजी को गुजरे आज ग्यारह दिन हो गए थे। पिछले दो साल से वह बहुत पीड़ा में थे। कैंसर की बीमारी में एक-एक दिन सालों की तरह गुजर रहे थे। उनका बड़ा बेटा कमल और बहू मीना ने अपने पिता की सेवा और इलाज में अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ी। किराने की दुकान में कोई ज्यादा कमाई नहीं थी, लेकिन जितना बन पड़ा, उसमें उन्होंने कभी अपना हाथ पीछे नहीं खींचा।

कमल अपने माता-पिता के साथ ही रहता था। छोटा बेटा विमल जब से पढ़-लिखकर इंजीनियर बनकर शहर में बसा, कभी पलट कर वह घर नहीं आया। नौकरी अच्छी थी तो बड़े घर की लड़की का रिश्ता भी आ गया था। अब तो विमल के और भी पंख लग गए थे।

पिता की बीमारी का पता होने के बाद भी कभी उसने उनके इलाज और देखभाल में बड़े भाई का हाथ नहीं बंटाया। एक बार कांता देवी ने विमल से कहा भी, 'बेटा, कमल का हाथ थोड़ा तंग रहता है, ऊपर से तेरे पिताजी की बीमारी पर बहुत पैसा खर्च हो रहा है। तुम थोड़ी मदद कर दोगे तो उसे थोड़ी राहत मिलेगी।'

इस पर विमल का जवाब था, 'मां, आपको क्या पता, मेरी कमाई से ज्यादा तो मेरा खर्च है। आप लोग तो यहां पुश्तैनी मकान में रहते हैं, लेकिन मुझे तो हर महीने फ्लैट का किराया भी देना पड़ता है। आगे मेरा परिवार भी बढ़ रहा है तो खर्चे भी बढ़ रहे हैं फिर इस बीमारी का क्या पता ठीक हो ना हो! बेकार में लुटने-पिटने से क्या फायदा?'

बेटे के मुंह से ऐसा सुनकर कांताजी ने कभी दोबारा उसे किसी प्रकार की मदद के लिए नहीं कहा। मनोहरजी बच तो नहीं पाए, लेकिन अपने बड़े बेटे-बहू के सेवाभाव को देखकर उनके हृदय में हमेशा उनके लिए आशीर्वाद के भाव रहते। कांता देवी पति की मृत्यु से आहत थीं, ऊपर से आज मनोहरजी की तेरहवीं पर आए विमल के मुंह से ये सब सुनकर उन्हें बहुत बुरा लग रहा था। अपने बड़े बेटे को असमंजस में देख उन्होंने समझाया, 'कमल, तुझे किसी की बातों में आकर अपनी हैसियत से बाहर कुछ करने की जरूरत नहीं है। तूने अपने पिता के जीते जी उनकी जो जी-जान से सेवा की है, वो उसी से तृप्त हो गए हैं। ये ऊपरी दिखावा और कर्मकांड उनके लिए अब कोई मायने नहीं रखता। तू जितना कर रहा है, वह बहुत है। तेरे पिताजी की आत्मा तो तेरी सेवा से ही तृप्त हो गई है बेटा। बस पांच ब्राह्मणों को भोजन करा दे और अपने पिता का तर्पण कर दे।' फिर कांता देवी अपने छोटे बेटे विमल के मुखातिब होते हुए बोलीं, 'आज तुझे यहां सारे कामों में जो कमी नजर आ रही है, वह उस समय क्यों नजर नहीं आई, जब तेरे पिताजी बीमारी से तड़प रहे थे और तेरा यह भाई तंगी से जूझते हुए भी रोज उन्हें लेकर अस्पताल के चक्कर लगा रहा था। उसे अपने दिन का चैन और रातों की नींद की भी परवाह नहीं थी। उस समय तो तेरे मुंह से एक बार भी नहीं निकला कि भैया, पिताजी के इलाज में मैं कुछ मदद कर दूं। उस वक्त तुझे यहां कोई कमी नजर नहीं आई? बेटा तू अपने पैसे अपने पास रख, पता नहीं कब तुझे इनकी जरूरत पड़ जाए। मां हूं, इसलिए कभी अपने दिल और जुबान से तेरा बुरा नहीं सोचूंगी, लेकिन बेटा जब तेरे बच्चे अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ेंगे तब तुझे अपने मां-बाप का दर्द समझ में आएगा।'

यह सुनकर विमल का सिर झुक गया। उसे अपनी मां और भाई से नजरें मिलाने की हिम्मत भी नहीं हो रही थी। कमल ने अपने सामर्थ्य अनुसार अपने पिता का तर्पण और भोज कराया।

कांता देवी के चेहरे पर आज संतुष्टि के भाव थे। उन्हें विश्वास था कि उनके पति तृप्त होकर इस दुनिया से विदा हुए हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

देश की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी

आजादी के बाद देश के विकास और इसे सशक्त बनाने में भारत के सभी प्रधानमंत्रियों की भूमिका रही है। इसी क्रम में वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब तक के अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण और अभूतपूर्व कार्य किए हैं और इस दिशा में निरंतर प्रयासरत भी हैं। फिर वो चाहे विश्व में भारतवर्ष की प्रतिष्ठा बढ़ाने की बात हो, कश्मीर से धारा 370 हटाने का ऐतिहासिक कदम हो, कोरोना काल का मजबूती से सामना करना रहा हो, महिलाओं और गरीबों के सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयास हों या आतंकी गतिविधियों का मुंहतोड़ जवाब देना हो। इस पुस्तक में उनके ऐसे तमाम प्रयासों की विस्तार से चर्चा की गई है। इसमें लेखक ने नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व के कई पहलुओं को भी उजागर किया है। *

पुस्तक: भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी,
लेखक: प्रोफेसर (डॉक्टर) रमेश चंद्र तोमर,
मूल्य: 600 रुपए, **प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन,
आसफ अली रोड, नई दिल्ली

इंडियन पैसिफिक एक्सप्रेस

जैसा कि नाम से ही जाहिर है, यह ट्रेन आपको दुनिया की सबसे यादगार ट्रेन यात्रा के रूप में दो महासागरों को पार करवाती है। सिडनी से पर्थ तक का 4352 किमी. लंबा यह रेल मार्ग आपको अनूठे लोक की यात्रा का अनुभव देता है। विशाल ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप को पार करते हुए आप यहां के दिलकश नजारे देखेंगे तो मानो हिप्नोटाइज हो जाएंगे। कई जगह तो आपको वन्य जीवन की झांकी भी देखने को मिलेगी। इस ट्रेन में यात्रियों के लिए कई क्लास के कोच हैं, जैसे गोल्ड सर्विस के तहत स्लीपर केबिन। आर रेड सर्विस के तहत डे नाइटर सीट। स्लीपर केबिन में आप तमाम सुविधाओं से सुसज्जित सिंगल या ट्विन स्लीपर केबिन ले सकते हैं और स्वादिष्ट ऑस्ट्रेलियन भोजन का लुत्फ उठा सकते हैं। जबकि आर रेड सर्विस के तहत डेनाइटर सीट दी जाएगी, जिस पर सोने की सुविधा भले ही न हो पर आपको आरामदायक तरीके से बैठने की सुविधा जरूर मिलती है। यहां पर्याप्त लेगस्पेस है, कोहनी टिकाने के लिए आरामदायक हत्थे हैं, वीडियो देखने की सुविधा है। इन डिब्बों में भी स्नैक्स, कॉफी, लंच, डिनर सब कुछ उपलब्ध कराया जाता है। k

रोचक
शिखर चंद जैन

रेल यात्राएं तो आपने भी जरूर की होंगी। लेकिन देश-दुनिया में कुछ रेलगाड़ियां ऐसी हैं, जो हजारों किलोमीटर की यात्रा करती हैं। दुनिया की सबसे लंबी दूरियां तय करने वाली इन रेलगाड़ियों से यात्रा का अनुभव बेहद अनोखा और मजेदार होता है। इनमें से कुछ लंबी रेल यात्राओं पर एक नजर।

सबसे लंबी दूरी तय करने वाली अनोखी-शानदार रेल गाड़ियां

ट्रांस-साइबेरियन एक्सप्रेस

दुनिया की सबसे लंबी दूरी तय करने वाली यात्री ट्रेन है, ट्रांस साइबेरियन एक्सप्रेस। मॉस्को से व्लाडीवोस्टक तक फैली 9288 किमी. की पटरियों पर सरपट दौड़ती यह ट्रेन आपको वाकई एक यादगार यात्रा का अनुभव देती है। 77 किमी. प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ने वाली इस ट्रेन में बिताए करीब 146 घंटे (करीब 6 दिन) आप शायद ही अपनी जिंदगी में कभी भुला पाएं, क्योंकि इन 6 दिनों में आप कभी पहाड़ों के बीच से गुजरेंगे, तो कभी हरी घास से भरे मैदानों से, कभी यह ट्रेन आपको रेगिस्तान के दृश्य दिखाएगी, तो कभी हरे भरे बियाबान जंगल के बीच से ले जाएगी। k

झिंगू हाइ स्पीड रेल

आज की तारीख में अगर लंबी दूरी तय करने वाली सबसे तीव्र गति वाली यात्री रेगलाड़ी का जिक्र होता है, तो उनमें झिंगू हाइ स्पीड रेल सबसे ऊपर है। यह ट्रेन बीजिंग से शंघाई की 1303 किमी. की यात्रा मात्र 5 घंटे में तय कर लेती है। इसकी गति 300 किमी. प्रतिघंटे तक हो सकती है। k

भारत की सबसे लंबी रेल यात्रा

भारत की सबसे लंबी रेल यात्रा विवेक एक्सप्रेस तय करती है। यह 9 राज्यों से होकर गुजरती है। यह असम के डिब्रूगढ़ से तमिलनाडु के प्रसिद्ध स्थल कन्याकुमारी तक चलती है। यह रेलमार्ग लगभग 4,273 किलोमीटर लंबा है। इस सफर को तय करने में लगभग 80 घंटे लगते हैं। इस ट्रेन का नाम स्वामी विवेकानंद के नाम पर रखा गया है। अपने इस सफर में यह ट्रेन लगभग 55 स्टेशनों पर रुकती है। k

द ब्लू ट्रेन

दक्षिण अफ्रीका की मशहूर ब्लू ट्रेन प्रीटोरिया से केपटाउन के बीच 1600 किमी. की यात्रा तय करती है। सच कहें, तो यह ट्रेन पटरी पर दौड़ने वाले किसी होटल की मानिंद है। इसमें कई सूट्स भी हैं, जहां होटल जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। यात्रा बहुत लंबी नहीं है। करीब 27 घंटे की इस यात्रा के दौरान अफ्रीका के तस्वीर सरीखे कुदरती दृश्य आपका मन मोह लेंगे। इस ट्रेन की गति कोई खास नहीं, मात्र 57 किमी. प्रति घंटे है, क्योंकि इसे होटल रूम सरीखे डिब्बों को जरा नजाकत से ही चलाना पड़ता है और यात्रियों की सुख-सुविधा का खयाल भी रखना पड़ता है। k

द कनाडियन ट्रेन

टोरंटो से वैंकुवर की यात्रा करवाने वाली यह ट्रेन जर्नी आपको 83 घंटे तक सैर कराती है। इस दौरान यह ट्रेन आपको कनाडा के विभिन्न मनोहर दृश्यों से भरी 4466 किमी. दूरी का अवलोकन करवाती है। ट्रेन की गति पहाड़ों की चढ़ाई में कभी मंद पड़ जाती है, तो हरे-भरे चित्ताकर्षक जंगलों से गुजरने के दौरान तेज भी हो जाती है। इस ट्रेन में कांच से बनी बड़ी-बड़ी खिड़कियों से तरह-तरह के दृश्यों को देखना वाकई रिलैक्सिंग और पीसफुल एक्सपीरियंस देता है। k

चाइना यूरोप ब्लॉक ट्रेन

द चाइना यूरोप ब्लॉक ट्रेन, दुनिया की सबसे लंबी दूरी तय करने वाली ट्रेन है। यह यीबू से मैड्रिड तक की 9977 किमी. की यात्रा करीब 21 दिनों में तय करती है। लेकिन यह कोई यात्री ट्रेन नहीं बल्कि मालगाड़ी है। k

अमल करने से ही बनेगी बात

स्मार्टफोन के स्क्रीन से हर पल प्रेरणादायक विचारों की बौछार होती रहती है। लोग इसमें रुचि भी खूब लेते हैं। लेकिन अगर आप स्वयं में सकारात्मक बदलाव देखना चाहते हैं तो सिर्फ मोटिवेशनल कंटेंट देखना नहीं, उस पर अमल भी करना होगा।

सेल्फ मोटिवेशन / चैतन्या

इन दिनों सोशल मीडिया पर भी मोटिवेशनल वीडियो की भरमार है। ज्ञान फैलाने के लिए बाकायदा एप्स बने हुए हैं। मन-मस्तिष्क को मोटिवेशन देने वाले शब्द लिखित हों या मौखिक, किसी ना किसी रूप में हर पल सामने आते रहते हैं। जीवन को साधने वाले इस कंटेंट को यूजर्स द्वारा खूब देखा-सुना भी जाता है। बावजूद इसके व्यावहारिक धरातल पर जनमानस में इसका असर नहीं दिखता। आंतरिक या बाहरी शक्ति जगाने को सुने गए विचार आत्मसात नहीं किए जा रहे हैं। इनसे प्रेरणा पाकर जन-जीवन में बदलाव लाने के भावों को बल नहीं मिल रहा।

ज्ञान को जीवन में उतारना: भगवान दत्तात्रेय ने सिखाया है कि सच्चा ज्ञान कहीं से भी, कभी-भी प्राप्त किया जा सकता है, बस व्यक्ति की दृष्टि पवित्र और समझदार होनी चाहिए। उन्होंने स्वयं भी प्रकृति के तत्वों, पशुओं और विभिन्न व्यक्तियों, गुरुओं के रूप में ज्ञान प्राप्त किया। पृथ्वी से सहनशीलता, वायु से अनासक्ति और बालक से खुशी का ज्ञान लिया। भगवान दत्तात्रेय का यह सिद्धांत यही बताता है कि ज्ञान का कोई तयशुदा स्रोत नहीं होता। जिज्ञासु और विवेकशील इंसान अपने परिवेश के कण-कण से कोई सीख ले सकता है। हर घटना, हर प्राणी और प्रकृति के हर तत्व से जीवन के गूढ़ रहस्यों को सीख सकता है। असल में यूं ही जीवन से जुड़े विभिन्न स्रोतों से ज्ञान लेना भी चाहिए। परीक्षा तो इन पढ़े, जाने, सुने गए पाठों को जीवन में उतारने के मोर्चे पर होती है। सोशल मीडिया में दिखते मोटिवेशनल कंटेंट को व्यक्ति स्क्रीन स्क्रॉल करते ही भुला देता है। इनमें वह गुरुत्व शक्ति नहीं होती, जो गुणीजनों के सान्निध्य में मिलती है। तभी तो आत्म जागरुकता लाने वाले उद्धरण भी जानकारी, सूचना या कोई समाचार भर बनकर रह जाते हैं।

गुणीजनों का जीवन ही प्रेरणा: हमारे यहां सदा से ही ज्ञानी-गुणीजन जीवन संवारने के उपदेश देते रहे हैं। संसार को दिशा देने वाला ग्रंथ गीता भी श्रीकृष्ण के उपदेश ही लिए है। विचारणीय यह है कि गुणीजनों के विचार ही नहीं उनका जीवन भी प्रेरणादायी रहा है। जिसके चलते आमजन में उनकी कही बातों को आत्मसात करने का भाव रहा। उनके दिखाए मार्ग पर चलने की प्रतिबद्धता रही। अच्छे विचारों को व्यक्तिगत ही नहीं, सामाजिक-पारिवारिक परिवेश में भी जिंदगी का हिस्सा बनाने का प्रयास रहा। इसकी वजह यह है कि गुरु बोलते भर नहीं, स्वयं अपनी जीवन पद्धति भी बदलते हैं। कहा भी जाता है कि सच्चा गुरु केवल ज्ञान या उपदेश देकर नहीं, बल्कि अपने आचरण और जीवनशैली से शिष्यों के जीवन को दिशा और प्रेरणा देते हैं। स्पष्ट है कि इसी के चलते सिद्ध पुरुषों के विचार ही जीवन में फलित होते हैं। सोशल मीडिया पर तैरते मोटिवेशनल आख्यानों में प्रेरणा देने की बातें भर हैं। इन बातों को कहने-समझाने वालों का अपना जीवन लोगों को प्रभावित करने वाला नहीं है। इतना ही नहीं शेयर कर आगे बढ़ाने की तकनीकी सहूलियत से हर कोई यह ज्ञान किसी दूसरे व्यक्ति तक तो पहुंचा रहा है पर अपने कर्मों में नहीं उतार रहा। बहुत से इंफ्लुएंसर तो प्रेरणादायी शब्दों को अपनी मार्केटिंग माध्यम बना चुके हैं। वहीं आत्म-विकास हो या आंतरिक शांति गुरुओं का जीवन ही सहज ढंग से व्यक्ति को नैतिक मार्गदर्शन देता है। जीवन को संवारने की सच्ची शिक्षा ही नहीं मिलती, उन उपदेशों से मन को साधने में भी मदद मिलती है।

मोटिवेशनल वीडियो देखने की वजह: जिंदगी में मौजूद किसी भी समस्या से पार पाने, अपने लक्ष्य तक जाने या मन को शांत सहज रखने के लिए मोटिवेशनल वीडियो खूब देखे जा रहे हैं। जबकि असल जीवन में प्रेरणादायी बातों से मनःस्थिति बदलने की प्रतिबद्धता नहीं दिखती। बावजूद इसके सोशल मीडिया प्रेरक सामग्री से अटा पड़ा है। असल में इसके पीछे आनंद के सिद्धांत और डोपामाइन हार्मोन को बढ़ाने की प्रणाली एक अहम कारण है। ऐसा कंटेंट देखने से व्यक्ति को त्वरित संतुष्टि और एक भावनात्मक सहारा मिलता है।

अमल करना सबसे जरूरी: निःसंदेह, जीवन से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने और लक्ष्यों को पाने के लिए आगे बढ़ने हेतु सही कार्य योजना जरूरी है। वर्चुअल स्क्रीन में झांकते रहने के बजाय वास्तविक जीवन में नियमित समय और ऊर्जा लगाकर ही अपने आप में बदलाव लाया जा सकता है। आध्यात्मिक उन्नति की जा सकती है। व्यक्तिगत जीवन के हर पक्ष पर संवर्धन किया जा सकता है। k

शर्ट-जैकेट्स, शर्ट और जैकेट का कॉम्बो होता है। इन दोनों की खूबियां मिलकर शर्ट-जैकेट्स बनाती हैं। इस सीजन में इनका ट्रेंड यंगस्टर्स में काफी बढ़ रहा है।

इन हल्की सर्दियों में युवाओं को भा रहीं शर्ट-जैकेट्स

फैशन ट्रेंड
प्रतिमा अरोड़ा

शर्ट-जैकेट्स या जिसे फैशन की भाषा में शैकेट्स भी कहा जाता है, इस साल की हल्की सर्दियों में युवाओं की पहली पसंद बनी हुई हैं। ना सिर्फ स्टाइल के कारण बल्कि इनके आरामदायक, वर्सेटिलिटी और मॉडर्न लुक की वजह से भी ऐसा हुआ है।

क्या होती है शर्ट जैकेट: शर्ट-जैकेट्स, दिखती तो शर्ट जैसी हैं, लेकिन इनका फैब्रिक मोटा होता है और ये हल्की सर्दियों में गर्माहट देकर जैकेट का भी काम करती हैं। इसलिए इन्हें शर्ट-जैकेट्स कहा जाता है। इन्हें पहनने के लिए जरूरी नहीं है कि मौसम बहुत ठंडा ही हो। अगर हल्की हवा चल रही हो तो भी इन्हें आराम से पहना जा सकता है।

इनकी खासियतें: शर्ट-जैकेट्स ट्विल, डेनिम, वूलेन फ्लैनल, कॉटन ब्लेंड या कॉर्डराय से बनती हैं। इनकी डिजाइन बेहद आकर्षक होती है, जिनमें आगे बटन, दो या चार पॉकेट और किसी में खड़ी तो कई में गिरी कॉलर होती हैं यानी दिखने में ये बिल्कुल शर्ट जैसी लगती हैं, लेकिन शर्ट के मुकाबले थोड़ी मोटी होती हैं। हालांकि इनका वजन कड़ाके की सर्दियों में पहनी जाने वाली जैकेट्स के मुकाबले काफी कम होता है। फिर भी ये शर्ट के मुकाबले वजनदार होती हैं। ट्रांजिशन वेदर यानी जब न तो ज्यादा सर्दी होती है और न ज्यादा गर्मी, कहने का मतलब पूरी तरह से बारिश के बाद की गर्माहट का मौसम गया नहीं होता और पूरी तरह से सर्दियां आई नहीं होतीं, इस दौरान इन्हें पहनना सबसे सही लगता है। क्योंकि ऐसे मौसम में जब हल्की ठंड पड़ रही हो, ये बिल्कुल परफेक्ट च्वॉइस होती हैं। इन्हें अंदर टी-शर्ट के रूप में भी पहना जा सकता है। कई बार खुले या बंद दोनों तरीकों से इन शर्ट-जैकेट्स को कैरी किया जा सकता है।

युवाओं को क्यों हैं इतनी पसंद: शर्ट-जैकेट्स युवाओं को बेहद पसंद आती हैं। वास्तव में इन दिनों कपड़ों में लेयरिंग ट्रेंड में है यानी, कई परतों में ड्रेस पहनकर अलग-अलग लुक बनाना। शर्ट-जैकेट्स इस लेयरिंग फिनोमिना की स्टार आइटम है। इसे आराम और स्टाइल के साझे कॉम्बिनेशन के रूप में भी देखा और जाना जाता है। यह न तो पूरी तरह से फॉर्मल है और न ही पूरी तरह से कैजुअल बल्कि इसके लिए जो शब्द ज्यादा प्रचलित है, वह है-स्मार्ट कैजुअल। इसलिए ये युवाओं को विशेष रूप से पसंद आती हैं, क्योंकि उनकी बॉडी में ये एक परफेक्ट बैलेंस बनाती हैं। लेकिन इसकी पॉपुलैरिटी की वजह सिर्फ यही नहीं है, इसे पॉपुलर बनाने में सोशल मीडिया का भी बड़ा हाथ है। वास्तव में इंस्टाग्राम, पिंट्रेस्ट और यू-ट्यूब पर फैशन इंफ्लुएंसर लगातार इन्हें प्रमोट कर रहे हैं, जिससे युवाओं में इनकी डिमांड काफी बढ़ गई है। सबसे बड़ी बात यह है कि ये शर्ट-जैकेट्स, युवक ही नहीं युवतियों के बीच भी खूब लोकप्रिय हैं, क्योंकि इन्हें दोनों ही बड़े आराम से पहन सकते हैं। ये दोनों की बॉडी पर खूब फबती हैं। शर्ट-जैकेट्स पहनने का एक फायदा यह भी है कि इसके कारण बहुत कम कपड़ों पर भी एक कंप्लीट आउटफिट तैयार हो जाता है। बस एक बेसिक टी-शर्ट, डेनिम और ये शर्ट जैकेट्स, बस समझिए पूरा आउटफिट तैयार हो गया।

इस साल है इसका ट्रेंड: इन दिनों यह फैशन या ट्रेंडिंग स्टाइल में इसलिए है, क्योंकि इस साल पुरुषों द्वारा डेनिम और फ्लैनल चेक्ड शर्ट-जैकेट्स को खासतौर पर पसंद किया जा रहा है। अपने नए लुक, स्मार्ट डिजाइन और कलर कॉम्बिनेशन के कारण ये यंगस्टर्स की पहली पसंद बनी हुई हैं तो लड़कियों में भी कुछ खास कलर्स की शर्ट-जैकेट्स इस साल खूब फैशन में हैं, जिनमें पेस्टल टोन कलर सबसे खास है। साथ ही लड़कियों में इनका ओवरसाइज्ड डिजाइन भी खूब हिट है। चूंकि यह एक यूनिसेक्स फैशन है, इसलिए शर्ट-जैकेट्स को खूब सारे न्यूट्रल कलर्स में भी देखा जाता है जैसे- बेज, ऑलिव, ब्लश पिंक और ग्रे।

कुल मिलाकर शर्ट-जैकेट्स इन दिनों युवाओं के बीच इसलिए भी खूब फैशन में हैं, क्योंकि ये सिर्फ एक ड्रेस भर नहीं हैं बल्कि लाइफस्टाइल का सिंबल बन गए हैं। कम लेयरिंग, ज्यादा स्टाइल और हर मौके पर फिट रहने वाली शर्ट-जैकेट्स आज यंगस्टर्स के बीच पहली पसंद बनी हुई हैं। जहां तक इसके स्टाइल कॉम्बिनेशन की बात है तो शर्ट-जैकेट्स में स्टाइलिश लुक के लिए इसे बेसिक टी-शर्ट या टर्टलनेक के ऊपर पहनते हैं। साथ ही लोअर में डेनिम, चिनो या स्कर्ट पर भी यह बहुत आसानी से मैच कर जाती है। स्कार्फ या कैप के साथ भी इसे कैरी करना अटपटा नहीं बल्कि आकर्षक लगता है। जहां तक फुटवियर्स की बात है तो स्नीकर्स या लोफर इसके साथ अच्छे लगते हैं। k

जिस दौर में कई सुपर स्टार्स बॉलीवुड में एक्टिव थे, उस समय में भी संजीव कुमार ने अपने एक्टिंग टैलेंट से अलग पहचान बनाई। संजीव कुमार की पुण्य तिथि 6 नवंबर पर उनके द्वारा निभाए कुछ यादगार किरदारों पर एक नजर।

हर रोल निभाने में परफेक्ट वर्सटाइल एक्टर संजीव कुमार

यादें
मनोज प्रकाश

सुपर स्टार का ग्लैमर, हिट कराने का तमगा और स्लिम-ट्रिम फिगर अगर किसी हीरो की इमेज को एक डेकोरम देता है, तो किसी भी भूमिका को परफेक्ट तरीके से करना भी किसी फिल्म को हिट कराने की गारंटी हो सकती है। यह बात सिद्ध की थी संजीव कुमार ने। वह एक ऐसे कलाकार थे, जिनके बारे में कहा जाता था कि वे कोई रोल निभाते नहीं, उसे पूरी तरह जीते थे। जिस तरह हिंदी फिल्म इंडस्ट्रीज में दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, राजेश खन्ना, देवानंद, राजकपूर को बेहतरीन अभिनेता माना जाता है, उसी श्रेणी में संजीव कुमार का नाम भी बड़े सम्मान से लिया जाता है।

'आंधी' में सुचित्रा सेन के साथ संजीव कुमार

हर तरह की भूमिकाएं निभाईं : 9 जुलाई 1938 को गुजरात प्रांत में जन्मे, संजीव कुमार ने जितनी भी फिल्में की सभी में उनके डायलॉग से अधिक उनकी आंखें और मुस्कुराहट ने अभिनय किया। संजीव कुमार हिंदी फिल्मों के ऐसे अभिनेता थे, जिन्होंने हर तरह की भूमिकाएं कीं। यहां तक कि उन्होंने एक ही फिल्म में एक साथ नौ भूमिकाएं निभाकर एक ऐसा कमाल किया, जो 'भूतो न भविष्यति' है। उनके किरदार ऐसे हुआ करते थे, जिन्हें भुला पाना संभव ही नहीं है। 'शोले' और 'आंधी' उनकी दो ऐसी फिल्में रहीं, जिनको भारतीय सिनेमा में मील का पत्थर माना जाता है।

'शोले' में ठाकुर का यादगार किरदार: 'शोले' में संजीव कुमार ने पहले जेलर और फिर ठाकुर बलदेव सिंह का रोल बखूबी निभाया। पूरे परिवार को डकैत गब्बर सिंह द्वारा खत्म कर दिए जाने और उनके दोनों हाथ काट दिए जाने के बाद भी ठाकुर बलदेव सिंह ने जिस तरह से अपना प्रतिशोध लिया, उसने आने वाली फिल्मों के लिए एक मानक बना दिया।

हर किरदार में अलग रंग: फिल्म 'आंधी' में संजीव कुमार के द्वारा निभाए गए होटल मैनेजर जेके का रोल आज भी दर्शक याद करते हैं। उस फिल्म में उन्होंने एक बेबस पति लेकिन समर्पित प्रेमी के रोल में अभिनय की पराकाष्ठा को छुआ था। जहां तक उनके अभिनय में मौजूद वर्सेटिलिटी की बात है तो 'खिलौना' में विजय, 'अनामिका' में देवेंद्र, 'सच्चाई' में किशोर, 'बचपन' में काशीराम, 'नमकीन' में गेरूलाल, 'राजा और रंक' में विजय और सुधीर, 'कोशिश' में हरिचरण, 'अंगूर' में अशोक और 'वक्त की दीवार' में विक्रम के किरदार ऐसे हैं, जिनसे उनकी प्रतिभा का लोहा सभी ने माना। 'उलझन' में उन्होंने सुलक्षणा पंडित के साथ एक ईमानदार अफसर और पति के रूप में फंसे व्यक्ति के द्वंद्व को बेहतरीन तरीके से निभाया। फिल्म 'नया दिन नई रात' में नौ किरदार निभाना और सभी को उसकी धारा में बहाते ले जाना, संजीव कुमार के बस की ही बात थी। उनसे पहले और उनके बाद आज तक किसी ने नौ रोल नहीं निभाए हैं।

ये भी रहे यादगार किरदार: संजीव कुमार को फिल्म 'दस्तक' के लिए हामिद का गंभीर किरदार निभाने हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया था। इसके उलट 'पति, पत्नी और वो' में तो उन्होंने हंसा-हंसाकर लोगों को लोटपोट कर दिया था। पत्नी की बीमारी की आड़ में सेकेट्री से प्रेम राग आलापना और पत्नी को समझाना, उस दौर में एक ऐसी कहावत बन गया था कि लोग रियल लाइफ में ऐसे किसी मामले में आपस में एक-दूसरे को कह देते थे-संजीव कुमार बन रहे हो? संजीव कुमार के द्वारा निभाए गए यादगार किरदारों में 'मौसम' के डॉक्टर अमरनाथ को कैसे भूला जा सकता है? इस फिल्म में उनका डबल रोल, शर्मिला टैगोर के रोल से किसी तरह से कमतर नहीं रहा। इसी तरह फिल्म 'त्रिशूल' तो अमिताभ की कही जाती है, लेकिन इसमें संजीव कुमार ने एक ऐसे व्यापारी का रोल प्ले किया, जो अंजाने में ही अपने बेटे से व्यापारिक संघर्ष कर रहा होता है और उसे पता ही नहीं चलता। इसमें पिता-पुत्र के संवाद, दो प्रतिद्वंद्वी व्यापारियों की उस लड़ाई का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसमें वे अपनी जीत के लिए किसी भी स्तर तक जा सकते हैं।

'त्रिशूल' में अमिताभ के पिता के किरदार में संजीव कुमार

उन पर फिल्माए गाने भी हुए हिट: संजीव कुमार पर फिल्माए गाने भी सुपरहिट रहे। 'अनोखी रात' का गीत 'ओह रे ताल मिले नदी के जल में, नदी मिले सागर में', 'खिलौना' का 'खिलौना जानकर तुम तो', 'सीता और गीता' का 'हवा के साथ-साथ, घटा के संग-संग', 'अनामिका' का 'मेरी भीगी-भीगी सी पलकों पे', 'आंधी' का 'तुम आ गए हो, नूर आ गया है', 'मौसम' का 'दिल ढूंढता है फिर वहीं फुर्सत के रात-दिन' और 'सिलसिला' का 'रंग बरसे', हर दौर के हिट गानों की श्रेणी में गिने जाते हैं।

अधूरी रही प्रेम की दास्तान: संजीव कुमार ने जिस तरह से फिल्मों में अपना परचम लहराया, उसी तरह से उनके प्रेम के चर्चे भी खूब सुने जाते रहे। हेमा मालिनी के साथ के किस्से तो सर्वाधिक चर्चित रहे ही हैं। सुलक्षणा पंडित के साथ भी उनकी जोड़ी चर्चित रही पर वह भी अपने मुकाम पर पहुंचने से रह गई। खुद के बारे में की गई अपनी ही भविष्यवाणी को सच साबित करते हुए जीवन के पचास बसंत पूर्ण करने से पहले ही 6 नवंबर 1985 को अनंत आकाश में हमेशा-हमेशा के लिए विलीन हो गए। k